डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खेलःआईपीएल के बीच बढ़ने वाली है मोहम्मद शमी...

सिनेमाःमहाभारत की सबसे अहम...

वर्ष -09 अंक -59 | प्रयागराज, गुरुवार 04 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों के साथ बुधवार को हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में पिचनाद माछिल इलाके के निकट हुई। अधिकारी ने बताया, '' दो आतंकवादी मारे गए। तलाश अभियान अभी भी जारी है।'' उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की शिनाख्त की जा रही है तथा उनके संगठन के बारे में पता लगाया जा रहा है।

कुत्तों के झुंड ने 12 साल के बच्चे को नोंच-नोंच कर मार डाला, दूसरा बच्चा भी घायल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बरेली के सीबी गंज इलाके में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक 12 वर्षीय लड़के को नोंच-नोच कर मार डाला। हमले में एक बच्चा भी घायल हो गया। घटना मंगलवार की है जब खाना गौंतिया गांव में अपने दोस्तों के साथ खेल रहे अयान पर कुत्तों ने हमला कर दिया। आवारा कुत्तों के पीछा करने पर बच्चा जान बचाकर भागा। हालांकि, वह जमीन पर गिर गया, जिसके बाद कुत्तों ने उस पर झपट्टा मारा और उस पर हमला कर दिया। राहगीरों ने बच्चे को कुत्तों द्वारा हमला करते देखा और उसे बचाया।

ठाणे में पति की हत्या के आरोप में पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अपने पति की हत्या करने और शव को पहाड़ी इलाके में फेंकने के आरोप में पुलिस ने 24 वर्षीय एक महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। साहापुर प्रमंडल के पुलिस उपाधीक्षक विकास नाइक ने बताया कि 24 अप्रैल को नासिक-मुंबई राजमार्ग पर स्थित कसारा घाट घाटी में एक मंदिर के पीछे एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला था। पुलिस ने बाद में पीड़ित की पहचान डोंबिवली इलाके के एक सब्जी विक्रेता सुनील कोठेरे (28) के रूप में की। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अलग-अलग सूचनाओं के आधार पर मंगलवार को मृतक की पत्नी कोमल सुनील कोठेरे और उसके प्रेमी मोनुकुमार त्रिलोकनाथ खरवार (28) को गिरफ्तार किया। खरवार भी एक सब्जी विक्रेता है।

बजरंग बली के नारे से पीएम मोदी ने भाषण की शुरूआत की, कहा- तुष्टीकरण की नीति कांग्रेस की पहचान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक चुनाव में लगातार भाजपा के लिए प्रचार कर रहे हैं। दक्षिण कन्नड़ के मुदबिदरी में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत बजरंग बली के नारे के साथ की। उन्होंने कहा कि भारत माता की - जय, बजरंग बली की - जय। मोदी ने कहा कि मैं शान्ति और सद्भावना का सन्देश देने वाले सभी मठों, तीर्थंकरों और संतों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। आज जिस 'सबका साथ और सबका विकास' का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं उसमें सभी संतों की ही प्रेरणा है। शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बीजेपी का संकल्प कर्नाटक को देश में नंबर 1 बनाना है, कर्नाटक में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है, कर्नाटक को मैन्युफैक्चरिंग सुपर पावर बनाना है। दूसरी तरफ कांग्रेस रिटायरमेंट के नाम पर.. बीजेपी के विकास कार्यों को नाकाम करने के नाम पर वोट मांग रही है।

मोदी ने कहा कि जनता-जर्नादन का आदेश मेरे सर आंखों पर। आखिरकार इस देश के 140 करोड़ लोग ही हमारा रिमोट कंट्रोल हैं। 10 मई को मतदान का दिन है। उन्होंने कहा कि ये हमारा रोड मैप है जबकि कांग्रेस आपका वोट इसलिए चाहती है क्योंकि वो बीजेपी की योजनाओं को, यहां के लोगों के विकास के लिए हुए कामों को पलटना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि कर्नाटक औद्योगिक विकास में नंबर-1 बने, हमारी कोशिश है कि कर्नाटक कृषि विकास में नंबर-1 बने, हमारा लक्ष्य है कि कर्नाटक स्वास्थ्य और शिक्षा में नंबर-1 बने। कांग्रेस क्या चाहती है? उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कर्नाटक को... दिल्ली में जो उनका 'शाही परिवार' बैठा है, उस परिवार का नंबर-1 ँऊश बनाना चाहती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि तुष्टीकरण की नीति कांग्रेस की पहचान बन गई है। उन्होंने कहा कि जो जीवन में पहली बार वोट देने जा रहे हैं वो कर्नाटक का भविष्य तय करने जा रहे हैं। पहली बार वोट देने जाने वाले मेरे बेटे-बेटियों आपको अगर अपना करियर बनाना है, अपने मन का काम करना है तो यह कांग्रेस के रहते संभव नहीं होगा। मोदी ने दावा किया कि कर्नाटक में अगर अस्थिरता रही तो आपका भाग्य भी अस्थिर रहेगा। कांग्रेस कर्नाटक में शांति की दुश्मन है... विकास की दुश्मन है। कांग्रेस आतंक के आकाओं को बचाती है... तुष्टिकरण को बढ़ती है।

कांग्रेस के घोषणापत्र पर भड़का बजरंग दल, पार्टी मुख्यालय के पास किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी द्वारा बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के वादे ने कर्नाटक की राजनीति में हलचल मचा दी है। इसको लेकर भाजपा तो हमलावर है ही, अब इसका असर जमीन पर भी दिखने लगा है। कर्नाटक के चिकमंगलुरु जिले के कई घरों में पोस्टर देखे गए। पोस्टर के अलावा इन घरों पर बजरंग दल का झंडा भी है। पोस्टर में जरिए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी गई है कि वे 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए वोट मांगने के लिए इन घरों में एंट्री न करें। पोस्टर में साफ तौर पर लिखा है कि यह बजरंग दल के कार्यकर्ता का घर है। इतना ही नहीं, इन घरों के पोस्टर पर यह भी लिखा है कि कोई भी कांग्रेसी वोट मांगने के लिए अंदर न आए। इसके बावजूद अगर आप घुसने की कोशिश करेंगे तो कुत्तों को बाहर निकाल दिया जाएगा। बजरंग दल ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन किया और मांग की कि पार्टी कर्नाटक में सत्ता में आने पर संगठन पर प्रतिबंध लगाने के अपने वादे को वापस ले। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में कहा कि बजरंग दल 'देश का गौरव' है और अगर कांग्रेस ने वादा वापस लेने के लिए अपने कर्नाटक चुनाव घोषणापत्र को नहीं बदला, तो बड़े पैमाने पर देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

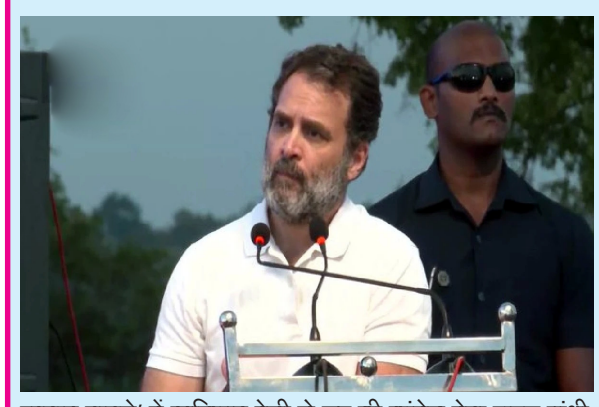

मोदी सरनेम केस में राहुल गांधी की याचिका खारिज, एमपी एमएलए कोर्ट ने दिया ये आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी की मुश्किलें मोदी सरनेम वाले मामले में थमने का नाम नहीं ले रही है। इसकी वजह से वो अपनी संसद सदस्यता तो गंवा ही चुके हैं, इसके साथ ही उन पर गिरफ्तारी की तलवार भी लटक रही है। अब राहुल को रांची की एमपी/एमएलए कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। रांची की एमपी/एमएलए कोर्ट ने 'मोदी

उपनाम मामले' में व्यक्तिगत पेशी से छूट की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। उनके खिलाफ रांची में प्रदीप मोदी नाम के व्यक्ति ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इसे लेकर राहुल ने याचिका लगाई थी और उन्होंने व्यक्तिगत पेशी से छूट की मांग की थी। इससे पहले बीते दिन गुजरात उच्च न्यायालय ने 'मोदी उपनाम' टिप्पणी से संबंधित आपराधिक मानहानि मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अंतरिम राहत प्रदान करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि इस चरण में उन्हें संरक्षण नहीं प्रदान किया जा सकता। न्यायालय ने यह भी कहा कि वह ग्रीष्मावकाश के बाद अंतिम आदेश सुनाएगा। गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने इस मामले में दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद 'तत्कालिकता' का हवाला देते हुए अदालत से अंतरिम या अंतिम आदेश जारी करने का अनुरोध किया।

कर्नाटकः राष्ट्रीय शिक्षा नीति को खारिज करेगी कांग्रेस, जेपी नड्डा बोले- सबसे पुरानी पार्टी मानसिक दिवालियापन से गुजर रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी किया। इसमें उसने ऐसे कई वादे किए हैं जिसको लेकर भाजपा जबरदस्त तरीके से ममलावर है। कांग्रेस ने कहा था कि सरकार विकास में विश्वास रखते हैं लेकिन वे विभाजन करना चाहते हैं। राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू है और अब वे इसे हटाना चाहते हैं तो आप उनकी विचारधारा समझ सकते हैं। कांग्रेस ने कहा है कि वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति

बनने पर वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अस्वीकार करने के लिए एक राज्य शिक्षा नीति बनाएगी। इसको लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मानसिक दिवालियापन से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि हम सबका साथ सबका को खारिज करेगी और राज्य शिक्षा नीति लाएगी। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कहा, ''अगर हम सत्ता में आते हैं तो यह जनता का सत्ता में आना होगा। हम इस तरह से शासन करेंगे। आप हमारा समर्थन करिये और हम अपने वादों को पूरा करेंगे। कांग्रेस ने वादा किया है कि प्रदेश में जाति एवं धर्म के आधार पर 'नफरत फैलाने' के लिए बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) जैसे संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर भी बवाल जारी है। भाजपा लगातार कांग्रेस पर निशाना साध रही है। हालांकि, कांग्रेस का कहना है कि बजरंग बली और बजरंग दल में अंतर है। आज प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार में कहा कि हर बार चुनाव आते ही आपका ध्यान भटक जाता है। आप जवाब ही नहीं मांगते।ँढ्ढ के नेता जानते हैं कि जब जज्बाती मामला उठाकर वोट मिल रहा है तो काम क्यों करना जाग जाओ... बहुत हुआ और ँढ्ढ सरकार से पूछो कि आपने कर्नाटक में क्या किया उन्होंने कहा कि मोदी जी को उनके लोग सर्वशक्तिमान, सर्वोपरि, सर्वश्रेष्ठ, वकिास पुरुष बताते हैं। मोदी जी कर्नाटक में आकर कहते हैं- मेरा सपना था, कर्नाटक को देश में वकिास की मसिाल बनाऊं। ताज्जुब की बात है- कर्नाटक में ँढ्ढ की सरकार थी तो मोदी जी ने यह सपना पूरा क्यों नहीं कयिा आप तो सर्वोपरि हैं, सर्वश्रेष्ठ हैं।

वाहन पलटने से चार लोगों की मौत, 30 अन्य घायल

रांची। झारखंड के गुमला जिले में, एक विवाह समारोह में जा रहे एक वाहन के पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गयी और 30 अन्य घायल हो गये। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। गुमला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एहतेशाम वकारिब ने बताया कि डुमरी इलाके में मंगलवार देर रात चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया जिस कारण पिकअप वैन पलट गई। एसपी ने बताया, डुमरी में एक विवाह समारोह में जा रही पिकअप वैन के पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लोगों की मौत पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट में लिखा, गुमला के डुमरी में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत की खबर से मन आहत है।

यूपी निकाय चुनावः योगी का तंज, बुआ-बबुआ की पार्टी ने क्रांति की भूमि को कर्फ्यू में बदल दिया था

लखनऊ। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव को लेकर योगी आदित्यनाथ लगातार प्रचार कर रहे हैं। आज योगी उत्तर प्रदेश के मऊ में थे। मऊ में उन्होंने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी और मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी पर निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस जनपद की सोच साहित्यकारों, क्रांतिकारियों से थी, वहां बुआ और बबुआ की पार्टी सपा और बसपा ने इस क्रांति की भूमि को कर्फ्यू में बदल दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं के हाथों में कलम की बजाय उन्हें दंगाई बनाकर लाइसेंस दिया और मऊ अपनी पहचान का मोहताज हो गया। योगी ने कहा कि जो लोग कभी कानून-व्यवस्था को व्हीलचेयर पर लाने का काम करते थे, आज 'वे' स्वयं व्हीलचेयर पर पड़े हुए हैं।

आजमगढ़ में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज नरेंद्र मोदी जी दुनिया में संकट मोचक के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि अभी सूडान में भीषण खून-खराबा हो रहा है इससे पहले दुनिया कुछ उपाय करती...उससे पहले प्रधानमंत्री मोदी जी ने सूडान से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने की व्यवस्था कर दी और उसमें से आजमगढ़ के कुछ लोग सूडान से सुरक्षित वापस आ गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के पहले 'कुछ लोगों' ने आजमगढ़ के युवाओं के हाथों में 'कलम' के स्थान पर 'कट्टा' देने का प्रयास किया। इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि वर्तमान बजट में हमने प्रावधान किया है कि 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के लाभार्थियों को दीपावली और होली के अवसर पर फ्री में सिलेंडर देंगे।

मुख्यमंत्री ने संत कबीर नगर में नगर निकाय चुनावों के लिए भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''हमारे शहर 'सेफ सिटी' बन सकें, 'स्मार्ट सिटी' और 'नॉलेज सिटी' बन सकें, इसके लिए नगर निकायों में भी अच्छे लोगों का निर्वाचित होना आवश्यक है। (इन निकायों में) पूर्ण बहुमत से 'डबल इंजन' की सरकार के साथ तीसरा इंजन भी जुड़ेगा जो विकास को दोगुना नहीं, बल्कि तीन गुना और पांच गुना आगे बढ़ाएगा।'' उन्होंने कहा, विकास के लिए कभी पैसे की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। अब किसी व्यापारी की सम्पत्ति पर कब्जा करने का कोई भी दुस्साहस नहीं करेगा, इसलिए नगर निकाय चुनाव में भी भाजपा के सभी प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजयी बनाएं।

ओडिशा पर मंडरा रहा है खतरनाक चक्रवात का खतरा, मुख्यमंत्री पटनायक ने की अधिकारियों के साथ मीटिंग, 6 मई के लिए अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भविष्यवाणी की थी कि 6 मई के आसपास बंगाल की दक्षिण-पूर्व खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण विकसित होने की संभावना है, जिसके बाद ओडिशा

के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य के अधिकारियों के साथ बैठक की। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जब भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि 6 मई के आसपास बंगाल की दक्षिण-पूर्व खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण विकसित होने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि मौसम प्रणाली के प्रभाव में, अगले 48 घंटों के दौरान इसी क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है।

नवीन पटनायक ने राज्य के अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को यदि आवश्यक हो तो चक्रवात आश्रयों में स्थानांतरित करने और चक्रवात के बाद राहत और बहाली कार्यों के लिए योजना तैयार करने के निर्देश जारी किए।

पटनायक ने मुख्य सचिव पीके जेना से नियमित रूप से स्थिति की समीक्षा करने और विशेष राहत आयुक्त सत्यव्रत साहू को सभी विभागों और जिलों के साथ समन्वय से काम करने को कहा। भुवनेश्वर में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि आईएमडी ने अभी तक किसी चक्रवात की भविष्यवाणी नहीं की है। उन्होंने कहा कि कम दबाव वाले क्षेत्र को चक्रवात बनने से पहले डिप्रेशन और फिर गहरे दबाव में विकसित होना होगा।

पटनायक ने मुख्य सचिव पीके जेना ने कहा कि राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि राज्य में चक्रवात आने पर एक भी जनहानि न हो। उन्होंने कहा कि 18 तटीय और आसपास के जिलों के कलेक्टरों को अलर्ट कर दिया गया है और चक्रवात आश्रय स्थल तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की कुल 17 टीमों और ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) की 20 टीमों को तैयार रखा गया है।

आश्रम में मृत पाया गया प्रॉपर्टी डीलर, पुलिस को कुछ संदिग्ध नहीं मिला

कानपुर। कानपुर स्थित बिधनू के स्वयंभू संत संतोष सिंह भदौरिया उर्फ करौली बाबा के आश्रम में एक प्रापर्टी डीलर का शव रहस्यमय परिस्थितियों में उसके कमरे में पाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिधनू के थानाध्यक्ष सतीश राठौर ने बुधवार को बताया कि प्रॉपर्टी डीलर देवेंद्र सिंह भाटी (55) रविवार को करौली बाबा के करौली स्थित आश्रम के अपने कमरे में मृत पाया गया था। भाटी योग अभ्यास और डिटॉक्स सत्र के लिए करीब पांच दिन पहले नोएडा से बिधनू के करौली बाबा आश्रम पहुंचा था। अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अंकिता शर्मा ने बताया कि भाटी की मौत के कारण का तत्काल पता नहीं चल सका है। डॉक्टरों के एक पैनल द्वारा शव के पोस्टमॉर्टम के दौरान विसरा को सुरक्षित कर लिया गया है।

तिहाड़ जेल में टिल्लू ताजपुरिया की हत्या के बाद नंदू गिरोह को दबोचने में लगी पुलिस

300 पुलिसकर्मियों के साथ दिल्ली-एनसीआर में कई जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपराधियों पर एक बड़ी कार्रवाई में दिल्ली पुलिस ने बुधवार (3 मई) सुबह दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 20 से अधिक स्थानों पर छापेमारी शुरू की। गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को तिहाड़ जेल के अंदर कथित तौर पर चार विरोधियों द्वारा मार दिए जाने के एक दिन बाद गिरोह के सदस्यों को दबोचने के लिए दिल्ली पुलिस ने ये कार्रवाई की है। द्वारका जिला पुलिस ने कुख्यात नंदू गिरोह के खिलाफ दिल्ली और हरियाणा में छापेमारी और तलाश अभियान शुरू किया। दिल्ली पुलिस के कम से कम 300 पुलिसकर्मियों द्वारा छापेमारी की जा रही है, जो दिल्ली-एनसीआर में झज्जर, छावला, बाबा हरिदास नगर, नजफगढ़ और सोनीपत में सुबह 4:00 बजे से चल रही है।

विशेष खुफिया सूचनाओं के आधार पर छापे मारे गए और अन्य स्थानों से बरामदगी के बारे में विवरण अभी भी एकत्र किया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम हर्षवर्धन ने कहा कि छापेमारी और तलाशी दिल्ली और हरियाणा में की जा रही है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने गैंगस्टरों और उनके सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की। उन्होंने कहा कि करीब 20 लाख रुपये नकद और

हथियार जब्त किए गए हैं और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस ने कहा कि फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। जानकारी के अनुसार, ऑपरेशन का उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों, गैंगस्टरों और सहयोगियों को निशाना बनाना था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में हथियार, नकदी और अवैध पदार्थ बरामद किया है। 2021 रोहिणी कोर्ट शूटआउट के आरोपी ताजपुरिया, जिसमें गैंगस्टर जितेंद्र गोगी मारा गया था, को गोगी गिरोह के चार सदस्यों द्वारा कथित तौर पर मंगलवार (2 मई) के शुरुआती घंटों में एक तात्कालिक हथियार से 92 बार वार किया गया था। टिल्लू ताजपुरिया का 2 मई की सुबह करीब सात बजे डीडीयू अस्पताल में निधन हो गया। योगेश टुंडा और उसके साथियों ने ताजपुरिया पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। तिहाड़ जेल में एक बार फिर बड़ी लापरवाही सामने आई है। रिपोर्टों के अनुसार, ताजपुरिया गैंगस्टर जितेंद्र गोगी का हत्यारा माना जाता है, जिसे रोहिणी अदालत के अंदर अदालत कक्ष में मार दिया गया था। जितेंद्र गोगी और टिल्लू ताजपुरिया के बीच कॉलेज के दिनों से ही दुश्मनी थी। उसे ण्ज्-8/9 में छुरा घोंपा गया और ३ड्ढ भेज दिया गया। सभी ण्ण्ट्ट को अपनी जेलें बंद करनी हैं और यदि कोई प्रभाव पड़ता है तो उसे नियंत्रित करना है। योगेश और दीपक ने सीजे-8/9 के एक ही वार्ड नंबर 5 में दोनों गिरोहों को अलग करने वाले वार्ड की लोहे की ग्रिल तोड़कर टिल्लू ताजपुरिया पर हमला कर दिया। अक्षत कौशल, एडिशनल डीसीपी वेस्ट डिस्ट्रिक्ट, दिल्ली पुलिस ने आगे बताया, आज सुबह करीब 7 बजे डीडीयू अस्पताल से सूचना मिली कि दो यूटीपी को तिहाड़ जेल से डीडीयू अस्पताल लाया गया है. उनमें से एक सुनील उर्फ तिलू को बेहोशी की हालत में लाया गया। बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एक अन्य व्यक्ति रोहित का इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर है।

रवाना हुई पोलिंग पार्टियां, मतदान कल, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

100 वार्डों में बनाए गए 354 मतदान केंद्र अति संवेदनशील 34 बूथ चिन्हित

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। जिले में कल चार मई को नगरऊनिकाय का चुनाव होगा। इसके लिए बुधवार को पोलिंग पार्टियां रवाना हों रही हैं। नगर निगम के लिए केपी कॉलेज के ग्राउंड से पोलिंग पार्टियां रवाना की जा रही हैं। जबकि नगर पंचायतों के संबंधित तहसील मुख्यालय से पार्टियां रवाना किया जायेगा। नगर निगम के चुनाव में 100 वार्ड हैं जिसमें कुल 354 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चुनाव सकुशल संपन्न कराने के लिए 7073 मतदान कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है। यह सभी आज दोपहर बाद से लेकर शाम तक अपने अपने बूथों पर ईवीएम समेत दस्तावेजों के साथ पहुंच जाएंगी। ताकि गुरुवार की सुबह से ही मतदान संपन्न हो सके। मतदान केंद्रों पर आज से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी जाएगी ताकि चुनाव में किसी तरह की लापरवाही न होने पाए। प्रयागराज में कुल 17 लाख मतदाता हैं। अंतिम मतदाता सूची के मुताबिक, जिले में कुल 17 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। इसमें नगर निगम में महापौर व पार्षदों के चुनाव में 15 लाख 76 हजार मतदाता मतदान करेंगे। जबकि आठ नगर पंचायतों के चुनाव में 1.45 लाख मतदाता हैं। शहर में 34 ऐसे बूथ चिह्नित किए गए हैं जो अति संवेदनशील प्लस की श्रेणी में रखे गए हैं। 98 अति संवेदनशील तथा 126 बूथों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

सांगीपुर में सम्मानित किये गये रिटायर्ड शिक्षक एवं चिकित्सक

प्रतापगढ़। सांगीपुर मे बुधवार को चिकित्सा व शिक्षा के क्षेत्र मे सराहनीय योगदान के लिए सेवा निवृत्त चिकित्सा अधिकारी व शिक्षकों का सम्मान किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अथिति सांसद संगम लाल गुप्ता ने अमेठी जनपद के प्रसिद्ध चिकित्सक व जनपद प्रतापगढ़ के पूर्व सीएमएस डॉ.विनोद सिंह,केजीएमयू लखनऊ के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ ए0 सिंह,डॉ के एस शुक्ल,डॉ अरुण सिंह चौहान,डॉ आरपी सिंह,डॉ सतेंद्र सिंह,सर्वोदय पीजी कालेज सलोंन रायबरेली के प्रो0सर्वेश मिश्र,देवेंद्र तिवारी,रामदेव गुप्ता को धार्मिक पुस्तकें स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र भेंटकर समान्नित किया। सांसद ने कहा कि कोरोना काल मे जिस तरह से अपनी जान जोखिम में डालकर भारतीय चिकित्सकों ने जिस तरह से अपना कर्तव्य निभाकर देश सेवा कर जो मिसाल कायम की थी उसकी पूरे विश्व ने सराहना की थी। इसके बाद सांसद संगम लाल गुप्ता ने नवनिर्मित संजीवनी पॉलीक्लिनिक के भवन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉक्टर प्रणव कुमार मिश्र ने किया।

विश्व प्रेस फ्रीडम डे और अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता --रीना त्रिपाठी

प्रतापगढ़। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देते हुए आज समय आ गया है की हम सब प्रेस की स्वतंत्रता के असली मायने को समझें और लोकतंत्र के समस्त प्रहरी के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने वाले पत्रकारों के साथ खड़े हो।

जैसा कि सर्वविदित है आज ही दिन 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 3 मई (विंडहोक घोषणा) को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया गया था। तब से 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मजबूती से खड़े प्रेस प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के रूप में आज के वैश्विक युग में अपनी प्रगति के चरम पर पहुंच रहा है। आवश्यकता है कि हम प्रेस की स्वतंत्रता की कद्र को समझें प्रेस की स्वतंत्रता के असली महत्व और उसके सामाजिक हित के बारे में जागरूक हो समाज गरिमा पूर्ण जीवन जी सके इसके लिए परम आवश्यक है कि प्रेस स्वतंत्रता पूर्वक समाज को आइना की तरह सच्चाई दिखा सके। अनेक देशों में स्वतंत्र मीडिया के प्रसार और डिजिटल प्रौद्योगिकी के अभ्युदय ने सूचना के मुक्त प्रवाह को तीव्र एवं प्रभावी गति दी है।फिर भी मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर संगठित रूप से नियंत्रण के प्रयासों में भी निरंतरता बनी हुई है। आज हम आए दिन मीडिया को कटघरे में खड़ा पाते हैं कभी सच्चाई दिखाने पर तो कभी सच्चाई ना दिखाने पर।

मीडिया की आजादी अनिवार्यतः अभिव्यक्ति की आजादी का अंग है। इसके बिना अन्य मानवाधिकारों की सुरक्षा असम्भव ही है।अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष, हिंसा, सामाजिक-आर्थिक असमानता, प्रवासन, पर्यावरणीय संकट, के साथ ही, लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों के संरक्षण हेतु समर्पित व्यक्ति एवं संस्थाओं को हितबद्ध समूहों द्वारा अनेक प्रकार से क्षति पहुंचाने की प्रवृत्ति भी बढी है।

इनसे उत्पन्न खतरों का मुकाबला करने के लिए ही प्रेस की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और सूचनाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार, मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुच्छेद 19 में प्रतिष्ठापित किया गया है, जो शेष समस्त मानवाधिकारों की प्राप्ति हेतु अपरिहार्य है। आज विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की सभी मीडिया कर्मियों (जो अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में भी अनेक खतरे उठाकर हमारे मानव अधिकारों की रक्षा हेतु सतत कार्य करते हैं), को एक सामाजिक संभल की जरूरत है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ में पारदर्शिता, निर्भीकता, खबर के प्रति इमानदारी और सच को सच कहने की ताकत तभी आ सकती है जब समाज का प्रत्येक समुदाय मीडिया बंधुओं के साथ खड़ा रहे। आज के उपभोक्तावादी युग में हम सत्ता की लोलुपता और मीडिया की सांठगांठ के भी कई किस्से सुनते रहते हैं। उन किस्सों में कितनी सच्चाई है यह भी हमें प्रेस के द्वारा ही पता चलता रहता है। फिलहाल सभी पत्रकार बंधुओं को, लोकतंत्र के उन सशक्त प्रहरियों को जो दिन रात अपनी मेहनत और लगन से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करते हुए हम सबको सच पढ़ाते और दिखाते हैं अपनी खुद की दिनचर्या खतरों और संघर्षों में बिताते हैं सभी बहुत-बहुत बधाई के पात्र हैं।

उमेशऊपाल को हत्या के 3 दिन पहले था मारने का प्लान, पुलिस जीप आने से शूटर्स मौके से भागे; सीसीटीवी फुटेज आया सामने

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। इस मामले में आरोपी बमबाज गुड्डू मुस्लिम और अरमान का नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

जिसमें दिखाई दे रहा है कि माफिया अतीकऊअहमद के शूटरों ने 21 फरवरी को भी उमेश पाल को मारने की कोशिश की थी। सभी शूटर उमेश पाल के घर की गली तक पहुंच भी गए थे। आगे उमेश पाल की कार रुकती है और पीछे वही सफेद रंग की क्रेटा कार दिखती है, जिसमें असद बैठकर आया था, लेकिन उसी वक्त पुलिस जीप वहां से गुजरती है और शूटर्स का सारा प्लान फेल हो जाता है।

फुटेज में शूटर विजय चौधरी उर्फ उस्मान (पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है) और शूटर गुलाम (पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है) भी एक साथ एक बाइक पर देखे जाते हैं।

अरमान और गुड्डू मुस्लिम अलग बाइक पर हैं। सभी ने अपनी अपनी पोजीशन भी ले ली थी कि तभी पुलिस की जीप आ गई। शूटर्स में आपस में कोई इशारेबाजी हुई और सभी बड़ी सफाई से वहां से निकल जाते हैं। न पुलिस को इसकी भनक लगती है और न ही खुद उमेश पाल को।

निष्पक्ष व ईमानदार पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूत नींव--- डॉ राजीव

भा.रा.पत्रकार महासंघ के तत्वावधान में विश्व पत्रकारिता दिवस समारोह पूर्वक आयोजित

प्रतापगढ़। निष्पक्ष व इमानदार पत्रकारिता तथा उसकी स्वतंत्रता लोकतंत्र की मजबूत नींव है। जिस राष्ट्र की पत्रकारिता स्वतंत्र होती है, वह देश लोकतांत्रिक तरीके से तेजी के साथ विकास के पथ पर अग्रसर होता है। पत्रकारों को चाहिए कि समाज में घट रही घटनाओं का सच उजागर करें न कि उसमें तोड़ मरोड़ कर अपने विचार व्यक्त करें। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के तत्वावधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुंडा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस समारोह में 3 मई को बतौर मुख्य अतिथि सीएचसी अधीक्षक डॉ राजीव त्रिपाठी पत्रकारों को परिचय पत्र वितरित करते हुए उक्त उद्गार व्यक्त कर रहे थे।

विशिष्ट अतिथि महासंघ के मुख्य महासचिव मथुरा प्रसाद धुरिया ने कहा कि पत्रकार को ईमानदारी के साथ पत्रकारिता करना तथा सार्वजनिक जीवन भी पारदर्शी होना चाहिए।

प्रांतीय संयुक्त सचिव व तहसील इकाई के संयोजक समारोह की अध्यक्षता व संचालन करते हुए डॉ विजय यादव ने अंतरराष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारियां देते हुए पत्रकारों का आवाहन किया कि निष्पक्ष और निर्भीक होकर ईमानदारी के साथ पत्रकारिता करनी चाहिए। सीएचसी कुंडा को प्रदेश में सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त होने पर अधीक्षक डॉ राजीव त्रिपाठी को बधाई देते हुए उनकी कार्यप्रणाली की प्रशंसा की तथा पत्रकारों को भी उनसे सीख लेने की जरूरत बताई।

समारोह को अजय मिश्रा, दिलीप साहू, कुलदीप कुमार विश्वकर्मा, अजय त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। इस मौके पर पन्नालाल गुप्ता, देवी शरण उर्फ संगम मिश्रा, अंकुश यादव, संदीप साहू, अमरनाथ यादव, शहबाज खान, लोकेश मिश्रा, संदीप यादव, इजहार अहमद शेख, जाकिर हुसैन, अरुण त्रिपाठी समेत अन्य पत्रकार गण मौजूद रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने रवाना किया पोलिंग पार्टी,जवानों का फ्लैग मार्च

आधुनिक समाचार सेवा

प्रतापगढ़।नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 के दिनांक 04 मई को होने वाले मतदान को सकुशल, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण, एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल एवं पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल राजकीय इण्टर कालेज का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि जो भी पोलिंग पार्टियॉ अनुपस्थित पायी जाये उनके खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज करायी जाये। उन्होंने मतदान कार्मिकों एवं सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया कि अपने बूथों पर पहुॅचकर समस्त तैयारियॉ पूर्ण कर लें जिससे प्रातः 7 बजे से मतदान प्रारम्भ हो सके। डीएम एवं एसपी ने पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल तुलसी इण्टरमीडिएट कालेज बाबूगंज कुण्डा का भी निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारियों एवं मतदान कार्मिकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने इस दौरान पोलिंग बूथों का निरीक्षण भी किया तथा कुण्डा क्षेत्र के अन्तर्गत आने-जाने वाले वाहनों की तलाशी भी करायी। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन को लेकर शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कुण्डा क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न स्थलों पर जवानों संग फ्लैग मार्च किया। उन्होने लोगों से मतदान में शामिल होने तथा लोगों से शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग करने की अपील किया। जिलाधिकारी ने कहा कि निडर होकर मतदान करें तथा किसी के द्वारा दबाव व धमकी देने पर तत्काल सूचना दें।उन्होने कहा कि मतदान सबका मौलिक अधिकार है जिसको करने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होने आपसी सौहार्द के साथ चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अपील किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी बूथों पर वीडियोग्राफी/ फोटोग्राफी करायी जायेगी तथा संवेदनशील एवं अति संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा कड़ी निगरानी रखी जायेगी।

प्रेक्षक सत्य प्रकाश (अपर आयुक्त आबकारी उ0प्र0 प्रयागराज), मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया,अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने भी पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल राजकीय इण्टर कालेज का निरन्तर निरीक्षण करते रहे एवं सम्बन्धित अधिकारियों व मतदान कार्मिकों को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे। पोलिंग पार्टियॉ रवाना करने के लिये प्रशासन की ओर से 05 स्थल चिन्हित किये गये है जिनमें राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़

से 216 पोलिंग पार्टियॉ, विकास खण्ड पट्टी से 65 पोलिंग पार्टियॉ, स्वामी करपात्री इण्टर कालेज रानीगंज से 78 पोलिंग पार्टियॉ, तहसील लालगंज से 30 पोलिंग पार्टियॉ एवं तुलसी इण्टरमीडिएट कालेज बाबूगंज कुण्डा से 117 पोलिंग पार्टियॉ रवाना हुई। इस प्रकार कुल 506 पोलिंग पार्टियॉ अपने-अपने बूथों के लिये रवाना हुई। जनपद में 01 नगर पालिका परिषद बेल्हा एवं 18 नगर पंचायतों में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 के अन्तर्गत दिनांक 04 मई 2023 को मतदान होना है। मतदान केन्द्रों पर सभी पोलिंग पार्टियॉ पहुॅच चुकी है।

नगरीय निकाय के दृष्टिगत 506 मतदान स्थलों पर 04 मई को प्रातः 7 बजे से अपरान्ह 6 बजे तक मतदान होगा। शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिये प्रशासन की ओर से 21 जोनल मजिस्ट्रेट एवं 42 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है। मतदान शुरू होने से समाप्त होने तक अफसर अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहेगें। जनपद में 01 नगर पालिका परिषद एवं 18 नगर पंचायतों में कुल 457814 मतदाता 04 मई को अपने मताधिकार का प्रयोग करेगें जिनमें 238190 पुरूष मतदाता एवं 219624 महिला मतदाता सम्मिलित है।

नगरीय निकाय को निष्पक्ष, स्वतंत्र, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन कृत संकल्पित

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा जनपद में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 को निष्पक्ष, स्वतंत्र, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व दिनांक 9 मई 2023 को शाम 6:00 बजे से दिनांक 11 मई 2023 को मतदान समाप्ति तक तथा मतगणना दिवस के पूर्व दिनांक 12 मई 2023 को शाम 6:00 बजे से मतगणना समाप्ति के दिनांक 13 मई 2023 को रात्रि 12:00 बजे तक जनपद गौतम बुद्ध नगर में संचालित समस्त आबकारी अनुज्ञापनों(देसी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर, भांग की फुटकर बिक्री की दुकानें, प्रीमियम रिटेल वेण्ड एवं मॉडल शॉप/ बार एफएल-6/ 6ए समिश्र, एफएल-7/7सी/ एफएल-9/9ए/40/41/49/ सैन्य/ अर्ध सैनिक कैंटीन, थोक अनुज्ञापन, सीएल-2/एफएल-2/2ए/ 2बी, फार्मेसी, बीआईओ-1 एवं बाण्ड अनुज्ञापन) से समस्त मादक पदार्थों की बिक्री एवं परिवहन पूर्णतया प्रतिबंधित रहेंगे। उन्होंने बताया कि उक्त बंदी अवधि के लिए अनुज्ञापियों को किसी प्रकार का प्रतिकर देय नहीं होगा। अतः उपरोक्त आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए अन्यथा की स्थिति में आदेशों की अवहेलना करने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जेल से सौलत हनीफ की कस्टडी 02:30 घंटे लेट मिली

12 घंटे की रिमांड पर, 11 सवालों के जवाब तलाशेगी पुलिस

प्रयागराज। अतीक का राजदार और उसका वकील खान सौलत हनीफ को पुलिस ने रिमांड पर लिया है। बुधवार सुबह पुलिस नैनी जेल पहुंचीं। वहां से कस्टडी में सौलत हनीफ को पुलिस लाइन लाया गया है। यहां पुलिस और एसटीएफ उससे पूछताछ कर रही है। सौलत हनीफ को अतीक के साथ ही 28 मार्च को उमेश पाल अपहरण केस में एमपी/एमएलए कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

मंगलवार को सीजेएम कोर्ट ने सौलत की 12 घंटे की रिमांड मंजूर की थी। बुधवार सुबह 06 बजे से शाम 6 बजे तक। हालांकि, क्ष्धूमनगंज थाना पुलिस ने 7 दिन की मांगी थी। पेपर वर्क में लेटलतीफी से 02:30 घंटे देरी से सौलत की रिमांड मिली। नैनीसेंट्रलजेल के सीनियर जेल सुप्रिटेंडेंट रंग बहादुर पटेल ने बताया कि पुलिस सौलत हनीफ को सुबह 08:30 बजे जेल से लेकर गई है। शाम 06 बजे उन्हें जेल में वापस दाखिल होना है।उमेश पाल हत्याकांड की जांच के दौरान पुलिस ने सौलफ हनीफ को भी आरोपी बनाया है। उस पर साजिश रचने और तस्वीरें शूटर्स को भेजने का आरोप है।

395-छानबे विधानसभ उप निर्वाचन के दृष्टिगत उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों के साथ पोलिंग रवानगी स्थल पर तैयारियो का किया निरीक्षण

आधुनिक समाचार सेवा

मीरजापुर। 395-छानबे (अ0जा0) विधानसभा उप निर्वाचन-2023 को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल के निर्देश के क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी शि प्रताप शुक्ल ने आज राजकीय पालीटेक्निक बथुआ मीरजापुर सम्बान्धित अधिकारियों के साथ पहुंचकर पोलिंग पार्टी रवानगी के लिये तैयारियो से सम्बन्धित भ्रमण कर स्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बड़े वाहनो एवं छोटे वाहनो के खड़ा होने व निकास स्थल, पोलिंग पार्टियो

रिसीविंग व उपस्थित स्थल, पोलिंग पार्टियो के द्वारा ई0वी0एम0 मशीन व अन्य प्रपत्र प्राप्त करने हेतु स्थल पर बनाये जाने वाले कांउटर बैरीकेटिंग, टेबुल व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान कर्मियो के बैठने आदि व्यवस्था के सम्बन्ध में निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित प्रभारी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। उन्होने कहा कि जिस अधिकारी को तो दायित्व सौपा गया हैं वे पूरी पारदर्शिता के साथ समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह, तहसीलदार लालगंज, जिला पंचायत राज अधिकारी अरविन्द कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी संतोष कुमार व विजय कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी उमेश चन्द्र सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

बीमार बच्ची की इलाज के लिये जिलाधिकारी ने ली जिम्मेदारी

अस्पताल पहुंचकर चल रहे इलाज के बारे में ली जानकारी, चिकित्सको को बेहतर इलाज के लिये दिशा निर्देश

आधुनिक समाचार सेवा

मीरजापुर। विगत दिनो विन्ध्याचल क्षेत्र में नाबालिक लड़की के साथ रेप और हत्या के प्रयास से पीड़ित बच्ची के इलाज वाराणसी से उपचार होने के उपरान्त अपने घर जिला प्रोबेशन कार्यालय की देख रेख में रह रही थी। उक्त बच्ची आज तबियत खराब होने पर उसकी मां व जिला प्रशासन कार्यालय के क्वार्डिनेटर पूजा मौर्या व जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी के द्वारा जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल को उक्त बच्ची की बीमारी की जानकारी होने पर तत्काल जिला अस्ताल पहुंचकर उसकी मां से कुशल क्षेम पूछा गया। तत्पश्चात चिकित्सको से बीमारी के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। चिकित्सकों के द्वारा बताया गया कि बच्ची कमजोरी के कारण हीमोग्लोबिन कम हो गया हैं। जिसके समुचित इलाज के साथ ही ब्लड भी चढ़ाया जा रहा हैं। चिकित्सक द्वारा बताया गया कि स्थिति सामान्य हैं। जिलाधिकारी ने प्राचार्य मेडिकल कालेज व इलाज करे चिकित्सको को निर्देशित करते हुये कहा कि इस बच्ची के उपचार की पूरी जिम्मेदारी स्वंय उनकी हैं किसी स्तर पर कोई आवश्यकता हो तो तत्काल अवगत कराये। जिलाधिकारी द्वारा उसे प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट कराते हुये बेहतर इलाज के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, प्राचार्य मेडिकल कालेज डॉ आर0बी0 कमल, जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, पूजा मौर्या के अलावा अन्य चिकित्सक उपस्थित रहें।

मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि नगर पालिका को नरक पालिका बनाने के लिए व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया

आधुनिक समाचार सेवा

नगर पालिका प्रशासन 5 वर्ष तक भू-माफिया बन कर काम करता रहा। इसके अलावा वाटर कूलर, स्ट्रीट लाइट समेत तमाम कार्यों में जमकर लूटपाट की गई। लिहाजा नगर पालिका को नरक पालिका में तब्दील कर दिया गया।

मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि चंद्र दीपा वार्ड के ककरहवा में भू-माफियाओं को संरक्षित करते हुए लाभ देने के लिए चौड़ी सड़क को संकरी कर दिया गया। भ्रष्टाचार उजागर ना हो पाए। इसके लिए धन एवं बाहुबलियों का गिरोह सक्रिय है। जो स्थानीय स्तर पर भाजपा संगठन में हावी है। लोकप्रिय कार्यकर्ताओं को किनारे बैठा दिया जाता है या बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है।

कमजोर वर्ग के लिए निशुल्क कोचिंग उन्होंने कहा कि बच्चे किलकारी भर सकें, नौजवान दौड़ सके व बुजुर्ग टहल सकें ऐसा पार्क बनाया जाएगा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निशुल्क कोचिंग चलाई जाएगी। मजदूर, रिक्शा व ठेला वालों के लिए सीता रसोई चलाया जाएगा। नगरपालिका के गिरते ढहते स्कूलों को चमकाने के काम किया जाएगा। इसके अलावा योग पार्क व युवाओं के लिए अत्याधुनिक व्यायामशाला बनाया जायेगा। पक्का घाट को लाइट एवं साउंड से सुसज्जित कर पर्यटन का केंद्र बनाया जाएगा। घंटाघर को उसकी पारंपरिक और रचनात्मक शैली में चमकाया जायेगा। महिलाओं के लिए बाजार में पिंक टायलेट बनाया जायेगा।

एपीजे इन्टर नेशनल स्कूल में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को आत्मसुरक्षा के संबंध में जागरूक किया गया

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा पुलिस कमिश्नर गौतम बुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार अपर पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा सुश्री प्रीति यादव एवं एसीपी महिला सुरक्षा श्रीमती वर्णिका सिंह द्वारा थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के अंतर्गत एपीजे इन्टर नेशनल स्कूल में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को जागरूक किया।

एडीसीपी महिला सुरक्षा द्वारा स्कूल में उपस्थित महिलाओं व बच्चों को जागरूक करते हुये कहा गया कि यदि आपके साथ कोइ भी अप्रिय घटना घटित होती है जिसमें आपके सम्मान को ठेस पंहुचे और आपके अधिकारों का हनन हो तो तत्काल आप वूमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 या पुलिस हेल्पलाइन नंबर डायल-112 पर तुरंत सूचित करे। पुलिस सदैव आपकी सहायता के लिए तत्पर है। पुलिस से आपको डरने की आवश्यकता नही है। हम सभी खाकी वर्दी धारी आपकी सुरक्षा को लेकर कटिबद्ध है। इसके साथ ही एडीसीपी महिला सुरक्षा द्वारा बच्चों को अपने पुलिस के साथ हुये अनुभव को शेयर करने के लिये प्रोत्साहित किया गया, जिसमें एक बच्चे द्वारा अपना अनुभव शेयर करते हुये कहा गया कि एक वह अपने परिवार के साथ नोएडा से बुलन्दशहर रात्रि के समय जा रहे थे तो अचानक से उनकी गाडी खराब हो गयी। रात्रि होने के कारण कोई मैकेनिक व अन्य सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाई। तब उनके पिताजी द्वारा डायल 112 पर कॉल किया गया तो तत्काल उनको डायल 112 से मदद प्राप्त हुयी और सकुशल उनके गन्तव्य तक पहुँचाया गया। पुलिस की तत्परता व मदद को देखकर मेरे परिवारीजनों द्वारा पुलिस की बहुत प्रशंसा की गयी।

बच्चों द्वारा अपने माता पिता के साथ साथ घटित हुयी साइबर क्राइम की घटनाये भी साझा की गयी जिसमें आईपीएस प्रीति यादव द्वारा बच्चों को साइबर क्राइम के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये साइबर से बचाव के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। इसके साथ ही बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में भी जानकारी देते हुये जागरूक किया गया तथा बच्चों को जागरूक करते हुये कहा गया कि अपने साथ घटित सभी अच्छी बुरी घटनाओ को अपने माता पिता के साथ शेयर करे। स्कूल में अपने टीचर को अपनी सारी बात बताये और अगर आपकी समस्या का कोई समाधान न हो तो चाइल्ड हेल्प लाइन पर भी आप सहायता ले सकते है जहां आपकी सारी बात गोपनीय रखते हुये तत्काल सहायता उपलब्ध करायी जाती है।उक्त कार्यक्रम में एडीसीपी महिला सुरक्षा सुश्री प्रीति यादव, एसीपी महिला सुरक्षा/साइबर श्रीमती वर्णिका सिंह, एसीपी 1 ग्रेटर नोएडा एवं स्कूल की प्रिसिंपल डॉ0 सरिता पाण्डेय, एडमिन ऑफिसर श्री विनय कुमार चौबे एवं अन्य स्कूल स्टॉफ मौजूद रहे।

प्रेरणा विमर्श - 2023 का आधिकारिक पोस्टर लॉन्च

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा सेक्टर-62 स्थित प्रेरणा भवन में प्रचार विभाग, मेरठ प्रांत/ प्रेरणा शोध संस्थान न्यास, नोएडा एवं जनसंचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के तत्वावधान में होने वाले प्रेरणा विमर्श - 2023 के आधिकारिक पोस्टर को लॉन्च किया गया।

प्रेरणा विमर्श 2023 के समन्वयक श्रीमान प्रीतम जी (सह प्रचार प्रमुख, मेरठ प्रान्त) ने बताया कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी प्रेरणा विमर्श कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला तीन दिनों तक चलेगी। तीन दिवसीय यह विमर्श 'स्व - भारत का आत्मबोध' विषय पर आधारित है। यह विमर्श दिनांक 01,02 एवं 03 दिसम्बर 2023 को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के सभागार में आयोजित होगा। इसमें प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर विमर्श होगा। इस विमर्श में समाज के विशिष्ट लोगों का बौद्धिक और मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

आज यहाँ प्रेरणा विमर्श 2023 की सफलता के लिए इससे जुड़े लोग उपस्थित रहे। इसी दौरान प्रेरणा विमर्श - 2023 के

आधिकारिक पोस्टर को भी लॉन्च किया गया। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग आयामों की टोली बैठक भी सम्पन्न हुई। जहाँ कार्यक्रम की सफलता के लिए कार्य योजना भी तैयार की गयी।

इस कार्यक्रम में श्री कृपाशंकर जी (प्रचार प्रमुख, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड), श्री पदम जी (क्षेत्र प्रचार प्रमुख, पश्चिमी उत्तर प्रदेश), श्री सुरेन्द्र सिंह जी (प्रचार प्रमुख, मेरठ प्रान्त) डा. अनिल त्यागी जी (सह प्रचार प्रमुख, मेरठ प्रान्त) मधुसूदन दादू जी, रवि श्रीवास्तव जी, अंणज त्यागी जी, श्रीमती प्रीति दादू जी, मोनिका चौहान जी, अनीता जोशी जी, डा. वीना हाडा जी, डा. प्रदीप कुमार जी, डा. मनमोहन सिंह जी, डा. अनिल निगम जी, श्याम किशोर जी, श्री बी.के गुप्ता जी, श्री शिवप्रताप जी, श्री प्रकाश श्रीवास्तव जी सहित मेरठ प्रांत के अलग-अलग विभागों से आए गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

100% Placement

सीधे प्रवेश

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

- प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
- हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)	फिटर
➢ डेटा इंट्री आपरेटर	वेल्डर
➢ फायर सेफ्टी	सीसीए
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग	रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➢ इलेक्ट्रीशियन	सिक्योरिटी सर्विस
➢ सीएनसी प्रोग्रामिंग	बेसिक कम्प्युटर
➢ इलेक्ट्रिक मैकैनिक	कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

थोड़ा हंस ले थोड़ा रो लें

लोगों से शायद हर किसी ने यही कहते सुना होगा कि जीवन में हमेशा हंसते रहो। खुश रहो। क्योंकि हंसते रहने से आप भी खुश रहते हैं और आसपास रह रहे लोग भी। लोगों की राय मानें तो हंसने से बड़े से बड़ा तनाव दूर हो जाता हैं। तनाव दूर करने का सबसे बढ़िया माध्यम हंसी ही हैं। सुबह पार्क में टहलने वाले आजकल ठहाके लगाते दिख जाएंगे। कई लोग हंसने के लिए कामेडी फिल्म और सीरियल देखते हैं।

लेकिन एक अध्ययन यह भी है कि हंसने से ज्यादा रोने से तनाव दूर होता हैं। किसी भी दुख और तनाव को अपने से दूर रखने के लिए रोना बहुत जरूरी हैं। जो लोग अपना दुख किसी से बांट नहीं पाते वे रोकर अपना मन हल्का कर लेते हैं। कई बार तनाव मनुष्य को अंदर ही अंदर खोखला कर देता हैं। ऐसी स्थिति तब आती हैं जब वह अकेला होता हैं और अपने तनाव को दूर करने की कोशिश भी नहीं करता। न्यूयार्क के कालेज में हुए एक अध्ययन के मुताबिक इंसान रोकर अपने सारे दुखों और तकलीफों को कम कर सकता हैं।

आंखों से आंसू बहना आपके मन के गुबार को खत्म कर आपके लिए सेफ्टी वाल्व की तरह काम करता हैं। यह आपके तनाव और दर्द को काफी हद तक कम करता हैं। कई मनोवैज्ञानिकों और काउंसलरों की राय में रोने से आदमी परेशान नहीं होता बल्कि वह तनावमुक्त हो जाता हैं। और वह अच्छा सोचता हैं।रोने को लेकर भी शोधकर्ताओं की अलग-अलग राय है। पर काउंसलर की राय में रोना तनाव दूर करने का बेहतर इलाज हैं। कई लोग रोने को अपनी कमजोरी समझ बैठते हैं। लोग यह सोचते हैं अगर कोई मुझे रोता हुआ देख लेगा तो क्या सोचेगा? लेकिन जिंदगी में ऐसे कई हादसे होते हैं जिन्हें लेकर लोग जीवन भर तनाव में जीते रहते हैं। इसे कम करने का सिर्फ एक ही इलाज है, वह है रोना। कई लोग खुद को रोने वाले लोगों में शामिल नहीं करना चाहते, इसलिए भी नहीं रोते और अपने तनाव से लड़ते रहते हैं। कई बार लोग चाह कर भी अकेले में रो नहीं पाते क्योंकि वह परिवार के लोगों के बीच रह रहे होते हैं। ऐसे में रोकर वह सबको परेशान नहीं करना चाहते।

किसी को रोने के लिए दबाव नहीं डाला जा सकता। आंसू तो अपने आप निकलते हैं पर कई बार ऐसा होता हैं कि लोग चाहते हैं रोना, पर उनकी आंखों से आंसू नहीं निकलते। अगर कोई व्यक्ति अपने तनाव और दुख को दबाता जाता है तो वह शारीरिक और मानसिक बीमारियों से ग्रस्त होता चला जाता हैं।कई देशों में लोगों को हंसाने के लिए सामूहिक आयोजन किया जाता हैं उसी तरह कई देश ऐसे हैं जहां रोने के लिए भावनात्मक रूप से समर्थन देने के लिए आयोजन किया जाता है। लोगों को रोने के लिए प्रेरित किया जाता है। तो अगर तनाव से मुक्त होना है तो चाहे हंस लें या फिर किसी कोने में बैठ कर रो लें। मन हल्का हो जाएगा।

पेंट इंजीनियरिंग में निकल रहे हैं रोजगार के अच्छे मौके

रंगों की दुनिया चमक-दमक से भरी होती है। इस बहुरंगी दुनिया में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। दुकान, मकान, घर और कल-कारखानों से लेकर हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए विभिन्न प्रकार के रंगों का इस्तेमाल होता है। रंगों के क्षेत्र में पेंट इंजीनियरिंग एक आकर्षक और बेहद फायदेमंद कॅरियर है।

मोटर वाहन उद्योग, विद्युत, रसायन और हल्के इंजीनियरिंग उद्योगों में भी रंगों का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। इस प्रकार पेंट के उपयोग के क्षेत्रों में विस्तार होने के साथ-साथ पेंट तकनीकी का भी काफी विकास हुआ है। जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़े हैं। साथ ही हाल के वर्षों मैं पैंट की खपत भी बढ़ी है।पेंट निर्माण के क्षेत्र में न केवल देशी कंपनियों में बढ़ोत्तरी हुई है बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ कच्चा माल तैयार करने वाले उद्योगों में भी रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। लेकिन दूसरी इंजीनियरिंग शाखाओं की अपेक्षा पेंट इंजीनियरिंग की विस्तृत जानकारी के प्रचार-प्रसार का अभाव है। यह क्षेत्र उन युवाओं के लिए अत्यधिक उपयोगी है जो इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर निराश हो जाते हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए निम्न संस्थानों से संपर्क कर सकते हैं-

- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव- 425 001।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।
- जिगन्नाथ रथी वोकेशनल गाइडेंस एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फरर्गसन कालेज कैम्पस के सामने बीएमसीसी, पुणे।
- इंडस्ट्रीयल रिसर्च लैबोरेटरी, कैनाल साउथ रोड, कोलकाता।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नाथलाल पारीख मार्ग, माटुंगा, मुंबई।
- रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर, झारखंड।

यह कैसी परंपरा रात में नहीं दिन में होती है शादी

देखा जाए तो शादियों में लोग अपनी शान और शौकत दिखाने के लिए ना जाने कितने पैसे खर्च कर देते हैं। यही नहीं अगर लड़के की शादी हो तब तो पूछिए ही मतह्न दहेज लेने से पीछे नहीं हटते।ऐसे में सबके लिए मिसाल बनकर उभरा है गाजियाबाद जिले का एक गांव अटौर। जी हां, यहां फिजूलखर्च से बचने के लिए दिन में ही शादी कर दी जाती है।इस गांव में यह परंपरा 20 सालों से बनी हुई है। यहां के गांव वालों की मानें तो उन्हें रात के समय होने वाली

शादियों में सजावट बिल्कुल फिजूलखर्ची लगती है।इसी वजह से सब ने तय कर रखा है कि रात के समय लाइट, जेनरेटर आदि पर कोई पैसा खर्च नहीं करेंगे। यहां की शादियों में सुबह 10 बजे के करीब बारात आती है और शाम होते-होते दुल्हन विदा हो जाती है।वाकई यह परंपरा तारीफ जनक है। इस गांव के लोग अब तक लाखों रूपए की बचत कर चुके हैं इस परंपरा के कारण।

मानसून में बढ़ जाता है सैर का रोमांच

वैसे तो भारत में पर्यटन स्थलों की कमी नहीं है जिस तरफ (उत्तर, दक्षिण, पूरब पश्चिम) भी आप रुख करे आपको खूबसूरत नजारे ही देखने को मिलेंगे। आइए इस बार पश्चिम की ओर रुख करते हैं। सिन्धु घाटी की सभ्यता, स्वतंत्रता सेनानियों और तराशे गए हिरों के लिए प्रसिद्ध गुजरात भारत के पश्चिम भाग का एक महत्वपूर्ण प्रदेश है। उद्योग के लिए विख्यात गुजरात राज्य ने पिछले कुछ वर्षो से खुद को पर्यटन स्थल के रूप में भी स्थापित किया है। वास्तव में अगर देखें तो गुजरात में कुछ ऐसे अद्भुत पर्यटक स्थल है जो अपने खूबसूरत आकर्षण के लिए जानी जाती है। मंदिरों और वन्यजीव के अलावा इस प्रदेश में वास्तुकला की एक अनुपम कृति भी महसूस की जा सकती है। ग्रेट रण ऑफ कच्छः अगर आप गुजरात आएं और आपने ग्रेट रण ऑफ कच्छ नहीं देखा तो समझों की कुछ नहीं देखा। कच्छ को सफेद रेगिस्तान का नाम दिया गया है। लगभग

16 वर्ग किलोमीटर में फैला यह क्षेत्र अपने नमक उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। अगर आप मानसून के समय कच्छ की ओर रुख करते हैं तो आपको और ज्यादा मजा आएगा। **द्वारका :** हिंदुओं के चार धामों और सप्त पुरियों में से एक गुजरात की द्वारिकापुरी मोक्ष तीर्थ के रूप में जानी जाती है। पूर्णावतार श्रीकृष्ण के आदेश पर विश्वकर्मा ने इस नगरी का निर्माण किया था जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा से सब यादवों को लाकर यहां बसाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर पूरी दुनिया से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल की ओर रुख करते हैं। **सोमनाथ :** ऐतिहासिक लूट और पुनर्निर्माण की कहानी लिए गुजरात का सोमनाथ मंदिर हमेशा से विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। इस भव्य मंदिर को हम भगवान शिव के बारहवें ज्योतिर्लिंग के नाम से भी जानते हैं। यह जगह केवल मंदिर के लिए नहीं बल्कि अन्य पर्यटन केंद्रों के लिए भी विश्वविख्यात है। सोमनाथ में अन्य पर्यटन और तीर्थ स्थलों में अहिल्याबाई मंदिर, सूरज मंदिर, त्रिवेणी घाट, प्रभास पाटन संग्रहालय और जूनागढ़ गेट शामिल हैं। **गिर वन राष्ट्रीय उद्यान :** गिर वन राष्ट्रीय उद्यान 'बाघ संरक्षित क्षेत्र' है, जो 'एशियाई बब्बर शेर' के लिए विश्व प्रसिद्ध है। वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां देखने के लिए यह उद्यान आपके लिए उपयुक्त जगह साबित हो सकती है। गिर पश्चिमी भारत का सबसे बड़ा शुष्क पर्णपाती वन माना जाता है। यहां की वनस्पति में सागौन, साल और ढाक (ब्यूटिया फ्रोंडोसा) जैसे पर्णपाती वृक्षों सहित कांटेदार जंगल शामिल हैं। **भुज :** हस्तशिल्प को लेकर आपके अंदर दिलचस्पी है तो आप गुजरात के भुज में कुछ समय बिता सकते हैं। यह जगह ठप्पे की छपाई का कपड़ा, बंधेज, चांदी का सामान और कढ़ाई वाले वस्त्रों के अलावा यह कच्छी हस्तशिल्प के लिए भी विख्यात है। भुज पहुंचते ही आप हस्तशिल्प के कलाकारों से तो मिल ही सकते हैं। साथ ही हस्तशिल्प प्रदर्शनी का फायदा भी उठा सकते हैं। **कच्छ :** कच्छ गुजरात प्रान्त का एक शहर है। गुजरात यात्रा कच्छ जिले के भ्रमण के बिना अधूरी मानी जाती है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां बहुत कुछ है। जिले का मुख्यालय है भुज। जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर वर्ष कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। 45652 वर्ग किमी. के क्षेत्रफल में फैले गुजरात के इस सबसे बड़े जिले का अधिकांश हिस्सा रेतीला और दलदली है। जखाऊ, कांडला और मुन्द्रा यहां के मुख्य बंदरगाह हैं। जिले में अनेक ऐतिहासिक इमारतें, मंदिर, मस्जिद, हिल स्टेशन आदि पर्यटन स्थलों को देखा जा सकता है।कच्छ का रन तथा महान कच्छ का रन गुजरात प्रांत में कच्छ जिले के उत्तर तथा पूर्व में फैला हुआ एक नमकीन दलदल का वीरान प्रदेश है। यह समुद्र का ही एक सँकरा अंग है जो भूचाल के कारण संभवतः अपने मौलिक तल को ऊपर उभड़ आया है और परिणामस्वरूप समुद्र से पृथक हो गया है। सिकंदर महान् के समय यह नौगम्य झील था।

गंगोत्री का प्राकृतिक सौंदर्य कर देता है सभी को मंत्रमुग्ध

गंगोत्री हिमालय की गोद में स्थित है। हिंदू धर्मग्रंथों में 'मां गंगा' के रूप में जिस नदी का जिक्र आता है, यह उसका उद्गम स्थल है इसलिए इसका धार्मिक महत्व भी खूब है। यहां के दर्शनीय स्थलों में 18वीं शताब्दी के दौरान गोरखा कमांडर अमर सिंह द्वारा बनवाया गया गंगोत्री मंदिर प्रमुख है। गंगोत्री के प्राकृतिक सौंदर्य की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। यह स्थान अपने अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। गंगोत्री की यात्रा पर आए सैलानियों को यहां का अलौकिक सौंदर्य मंत्रमुग्ध सा कर देता है। गंगोत्री चूंकि एक खूबसूरत तीर्थस्थल है सो इसके आसपास का वातावरण बहुत ही शांतिमय है। गंगोत्री के आसपास में स्थित तपोवन, नंदनवन तथा गोमुख स्थलों का जब आप पैदल भ्रमण करेंगे तो आपको अविस्मरणीय

अनुभव प्राप्त होगा। लंबे-लंबे देवदार वृक्ष और उनके मध्य से बहती हुई ठंडी हवा सैलानियों का मन बरबस ही मोह लेती है और उन्हें एक सुखद अहसास भी कराती है। यदि आप पर्वतारोही हैं तो आपके लिए यह स्थल और भी बढ़िया है। यहां आप न सिर्फ अपनी पर्वतारोहण की इच्छा पूरी कर सकते हैं अपितु प्रकृति के अलौकिक सौंदर्य का दर्शन भी कर सकते हैं। वैसे तो सर्दियों के मौसम में यह स्थल बर्फ से ढंका रहता है इसलिए यहां सैलानियों की संख्या कम ही रहती है। लेकिन यदि आप अभी युवा हैं और अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की योजना बना रहे हैं, तो आप सर्दियों में गंगोत्री जरूर जाइए। यहां के लोगों का भी कहना है कि सर्दियों में यहां युवा सैलानियों की संख्या अधिक रहती है तो अन्य मौसम में सामान्य तीर्थयात्रियों की। यहां के दर्शनीय स्थलों में गंगोत्री मंदिर, नंदनवन, तपोवन, मनेरी, गंगनानी और गोमुख के साथ ही केदारताल आदि प्रमुख हैं। वैसे इन सबकी यात्रा करने से पहले आइए आपको लिए चलते हैं हरसिल। यह स्थल स्वादिष्ट सेबों और अपनी प्राकृतिक सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर पर्यटन विश्रामगृह के साथ ही लोक निर्माण विभाग का विश्रामगृह एवं विल्सन काटेज भी मौजूद है जिसमें सैलानी आराम फरमा सकते हैं।

सिरके के अनगिनत फायदे!

घर की साफ सफाई करना हर किसी को मुश्किल लगता है लेकिन खुद को स्वस्थ रखने के लिए आसपास का वातावरण साफ-सुथरा रखना बहुत ही जरूरी है। साफ सफाई की बात करें तो लोग रसोई और बाथरूम को साफ करने के लिए बाजारी प्रॉडक्टस का इस्तेमाल करते हैं लेकिन शायद आपको पता नहीं है कि आपकी रसोई में ऐसी बहुत सारी चीजें हैं, जिसे आप साफ-सफाई के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी में से एक है सिरका जिसे वैसे तो खाने की चीजों में इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसके अलावा सिरका बालों के लिए सबसे अच्छा कंडीशनर है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में... **फर्श और फ्रिजः** घर का फर्श बहुत गंदा हो गया हो तो इसे चमकाने के लिए सिरके की मदद लें लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि फर्श संगमरमर या ग्रेनाइट का ना हो। इससे रसोई के कपबोर्ड, अलमारियों को साफ किया जा सकता है। रसोई से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए सिरके को पानी में मिक्स करके

छिड़काव करें। **दाग हटाएंः** गर्मियों के मौसम में सफेद कपडों पर पसीने के दाग पड़ जाते हैं। इन्हे धोने से पहले स्प्रे बोतल में सिरका डालकर इसको कपड़ों स्प्रे करें और धो लें। इससे सारे दाग साफ हो जाएंगे। **फूल रहे तरो-ताजाः** फूलों को देर तक ताजा रखने के लिए फ्लावर पॉट में पानी के साथ 1 चम्मच सिरका डाल दें। **वॉशिंग मशीनः** वाशिंग मशीन पर दाग पड़ जाए तो आखिरी धुलाई में सिरका डाल कर धोएं। सारे दाग साफ हो जाएंगे। **चींटियां दूर भगाएंः** घर में जगह-जगह पर चींटियां आ गई हो तो पानी में सिरके की कुछ बूंदे डाल कर पोछा लगाएं। इससे यह चींटिया भाग जाएगी। **जंग हटाएंः** कई बार घर में लोहे के सामान पर जंग के निशान पड़ जाते हैं। **ऐयर फ्रैशनरः** कमरे से किसी भी तरह की बदबू आ रही हो तो इसका कमरे में छिड़काव करें। स्मैल दूर हो जाएगी। **कपड़ों को मुलायम रखेंः** कपड़े धोते समय वाशिंग मशीन में 2-4 बूंद सिरके की डाल दें। इससे कपड़े मुलायम रहेंगें। **खाने में मिर्ची कम करेंः** खाना बनाते समय अगर मिर्ची तेज हो जाए तो सब्जियों में एक-एक चम्मच सिरका डाल दें। इससे मिर्ची कम हो जाएगी। **बदबू मिटाएंः** रसोई से जलने की स्मैल आ रही हो तो इसके लिए एक कटोरी में पानी के साथ तीन चौथाई भाग सिरके का मिला कर रखने से जलने की बदबू दूर हो जाती है।

यहां मिले थे भक्त और भगवान

कर्नाटक का बेल्लारी जिला और यहां का एक छोटा-सा शहर 'हम्पी' कभी मध्यकालीन हिंदू राज्य विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हुआ करता था। हम्पी तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित है। यह नगर प्राचीन काल में 'पंपा' के नाम से भी जाना जाता था। माना जाता है कि पंपा में ही भगवान श्रीराम जी की पहली भेंट भगवान श्री हनुमानजी से हुई थी।पौराणिक कथाओं के अनुसार जब रावण पंचवटी (महाराष्ट्र में नासिक के पास) माता सीता का अपहरण कर लंका ले गया था। सीता कहां गईं श्रीराम और लक्ष्मण को पता नहीं था। वह जंगल-जंगल भटकते रहे। लेकिन माता सीता का कुछ भी पता नहीं चल पाया।सीता की खोज करते हुए दोनों भाई किष्किंधा पहुंचे। इस क्षेत्र में ही अंजनी पर्वत पर बजरंगबली के पिता महाराज केसरी का राज था, जहां बजरंगबली रहते थे।वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और लक्ष्मण की मुलाकात सुग्रीव से हुई। सुग्रीव के मित्र, बजरंगबली थे जब उन्हें पता चला कि दो राजकुमार उनके क्षेत्र में आए हैं।तब वह ब्रह्मण रूप में उनसे मिलने पहुंचे। उन्होंने विनम्रता से कहा, 'सांवले शरीर वाले आप

कौन हैं, क्या आप ब्रह्मा, विष्णु, महेश इन तीन देवताओं में से कोई हैं या आप दोनों नर और नारायण हैं?'श्रीरामचंद्रजी ने कहा, 'हम अयोध्या नरेश महाराज दशरथ के पुत्र हैं और पिता का वचन पूरा करने वनवास पर निकले हैं। हमारे राम-लक्ष्मण नाम हैं, हम दोनों भाई हैं। हमारे साथ सुंदर सुकुमारी स्त्री थी। यहां (वन में) राक्षस ने मेरी पत्नी जानकी को हर लिया।''हे ब्राह्मण! हम उसे ही खोजते फिरते हैं। हमने तो अपना चरित्र कह सुनाया। अब हे ब्राह्मण! आप अपनी बारे में सुनाइए, आप कौन हैं?' प्रभु को पहचानकर हनुमानजी उनके चरण पकड़कर पृथ्वी पर नतमस्तक हो गए।उन्होंने साष्टांग दंडवत प्रणाम कर स्तुति की। अपने आराध्य को समाने देख वो हर्ष से सराबोर थे। जहां हनुमानजी की भेंट भगवान श्रीराम से हुई यह ओर कोई नहीं हंपी ही थी जिसे प्राचीन काल में पंपा कहते थे।

टैटू बन जाता है मुसीबत भी

कालेज के दिनों में स्नेहा ने भावुकता में आकर रजत का नाम अपनी कलाई पर गुदवा लिया। मगर उसे क्या पता था कि कुछ महीने बाद उसका प्रेम संबंध टूट जाएगा। रजत ने तो स्नेहा को भुला दिया पर स्नेहा उसे कैसे भुलाए? कलाई पर गुदे रजत के नाम को देख कर वह विचलित हो उठती। तभी किसी सहेली ने उसे कास्मेटिक सर्जरी कराने की सलाह दी। आज प्रेम में नाकाम युवा अपने शरीर पर बनाए टैटू हटाने के लिए कास्मेटिक सर्जरी के पास भाग रहे हैं और अब यह तो आम बात हो गई है।फैशन की होड़ में या भावुकता में आकर युवा टैटू तो बनवा लेते हैं मगर अंत में उन्हें हटवाना ही पड़ता है। चाहे वह अतीत से पीछा छुड़ाने के लिए हो या फिर, बोर हो जाने के कारण। छोटे टैटू तो पांच हजार से 25 हजार के खर्चे पर हटवाए भी जा सकते हैं मगर वहीं टैटू बड़े आकार का हुआ तो कास्मेटिक सर्जन 50 हजार रुपए तक फीस वसूल लेते हैं। इन दिनों ज्यादातर वही टैटू मिटवाने के लिए सर्जन के पास जाते हैं जिनमें प्रेमी या प्रेमिका का नाम गुदा होता है। फिर भी त्वचा पर धब्बे तो रह ही जाते हैं।

दरअसल जमाना फैशन का है और फिर कोई भी इस फैशन के दौर में पीछे नहीं रहना चाहता। ट्रेंड और फैशन तो हर वक्त बदलता रहता है पर कुछ चीजें फैशन के हिसाब से कभी नहीं बदलती जैसे टैटू का फैशन। देखा जाए तो यह फैशन कोई नया नहीं है। नानी-दादी के जमाने से चला आ रहा है। मगर समय के साथ इसमें बदलाव आया है। युवा तो इससे अपनी भावनाएं प्रकट करने का जरिया भी मानते हैं।प्राचीन काल की औरतें जब अपने हाथ या बाजू पर कोई आकार या फिर कोई नाम लिखवाती थीं तो वह टैटू नहीं 'गोदना' कहलाता था। पर आज के माडर्न युग में इसे टैटू कहा जाता है। पहले 'गोदना' यानी 'टैटू' शादी-शुदा महिलाएं बनवाती थी। यह उनकी पहचान का भी हिस्सा होता था। उस वक्त शरीर के किसी भी हिस्से में गोदना करवाना अत्यंत पीड़ादायक था। फिर भी महिलाएं इसे खुशी से बनवाती थीं। उस वक्त न सेफ्टी निडिल थी न ही स्टरलाइज्ड दूसरे साधन। कई को तो संक्रमण तक हो जाता था।

70 साल की महिला जानी देवी ने अपने शरीर पर सांप-बिच्छू जैसे टैटू बनवा रखे हैं। उन्होंने बताया कि जब मैंने यह बनवाया था तो काफी दर्द हुआ था। मगर उस वक्त एक रिवाज था इसलिए करवाना पड़ा। उन दिनों कलर वाले टैटू नहीं होते थे। जो भी लिखा या बनाया जाता वो हरे या मेहरून कलर में।पर आजकल युवक-युवतियों में यह फैशन स्टेटमेंट बन गया है। बड़ी-बड़ी हस्तियों से लेकर आम इंसान तक टैटू के दीवाने हैं। सेलिब्रेटी की बात करें तो एंजीलिना जोली, पामेला एंडरसन, बैरीमूर, क्रिस्टीना से लेकर कई भारतीय कलाकारों ने भी अपने शरीर पर टैटू बनवा रखे हैं। अब तो शहरों से लेकर महानगरों तक के युवा पीछे नहीं हैं।टैटू शब्द 'ताहियान' शब्द 'टैटायू' से बना है जिसका मतलब है- 'चिन्ह बनाना। मुंबई में अगर देखें तो 10 में से छह लोगों ने अपने शरीर पर टैटू बनवा रखे हैं। हालांकि जब शरीर पर सुई से इन टैटू को बनाया जाता है तो आप खुद अंदाजा लगा सकते हैं कि यह कितनी पीड़ा पहुंचाता होगा। पर लोगों का कहना है यह दांत निकालते और शरीर की वैक्सिंग कराने से कम ही दर्द देता है। आपको टैटू बनवाते समय कितनी पीड़ा झेलनी पड़ेगी यह इस पर निर्भर करता है कि आप टैटू कहां बनवा रहे हैं? अगर आप हड्डियों के पास कहीं बनवाते हैं तो यह काफी पीड़ादायक हो सकता है। जैसे टखने और रिब के नजदीक। लेकिन अगर आप बाजू, कंधे या पीठ पर बनवा रहे हैं तो पीड़ा कम होती है। चित्र और आकार के लिहाज से टैटू बनाने का खर्चा दो हजार रुपए तक आता है।कलर टैटू से दूर ही रहना चाहिए। हालांकि आजकल यह काफी फैशन में है। आप काला और भूरा रंग इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर त्वचा काफी संवेदनशील है तो आपके लिए टैटू नुकसानदेह हो सकता है। मधुमेह के मरीजों को तो इन सब से दूर ही रहना चाहिए।टैटू के लिए काफी डिजाइन हैं जैसे- फूल, तितली, ड्रैगन और आजकल तो धार्मिक टैटू भी खूब चल रहे हैं जैसे ओम, क्रास या फिर किसी भगवान की चित्रकारी। तिब्बती स्क्रीपटर्स भी आजकल फैशन में हैं जैसे एनर्जी, कर्मा और होप। इसे आप गर्दन, बाजू या कंधे पर बनवा सकते हैं। युवतियों में तो पीठ पर टैटू का फैशन है। कई युवतियां तो अपने बाजू और गर्दन पर भी टैटू बनवाती हैं। आजकल तो रंगीन टैटू का युवतियों में काफी चलन है। तरह-तरह के डिजाइन वाले रंगीन टैटू से युवतियां अपने-आप को सजाती हैं। यहां तक कि भावुकता में आकर अपने ब्वायफ्रेंड के नाम तक गुदवा लेती हैं। बाद में संबंध टूटने की स्थिति में वही टैटू मन को परेशान करते हैं। फिर दूसरे जीवनसाथी से छिपाने के लिए कास्मेटिक सर्जरी का सहारा लेना पड़ता है।एक तरफ जहां टैटू युवाओं में इतना लोकप्रिय हो रहा है वहीं इसके इस्तेमाल को लेकर बरती जाने वाली सावधानी से लोग अनजान हैं।

विनेश का आरोप, समिति बनाकर मामले को दबाने का प्रयास किया खेल मंत्री ने

मुम्बई (एजेंसी)। स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पूर्व में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने यौन उत्पीड़न की शिकायतों को दबा दिया था और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी ठोस कार्रवाई करने के बजाय निगरानी पैनल बनाकर ऐसा ही किया है। पहलवानों के विरोध का सबसे बड़ा चेहरा विनेश ने दावा किया कि राष्ट्रीय शिविर के दौरान पहले भी दो बार यौन उत्पीड़न के मामले सामने आए थे लेकिन डब्ल्यूएफआई इन मामलों को दबाने में सफल रहा।

विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता विनेश ने कहा कि शिकायतकर्ताओं ने खेल मंत्री के साथ बैठक में अपनी आपबीती साझा की थी लेकिन उन्होंने निगरानी पैनल गठित करने के अलावा कुछ नहीं किया। पहलवानों ने सरकार से इस मामले की जांच का आश्वासन मिलने के बाद जनवरी में अपना विरोध वापस ले लिया था और डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यीय पैनल का गठन किया गया था। विनेश ने कहा,"2012 के राष्ट्रीय शिविर के दौरान एक पुलिस स्टेशन में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज की गई थी। 24 घंटे के भीतर उस

मामले को दबा दिया गया था।

2014 में एक फिजियो, जो गीता फोगाट के ट्रेनर भी थे, ने इसी तरह का मामला उठाया और उन्हें 24 घंटे के भीतर शिविर से हटा दिया गया। उस दिन से उनकी पत्नी किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकी।'' उन्होंने कहा, "हमने अपना विरोध शुरू करने से पूर्व तीन महीने पहले एक सरकारी अधिकारी को सब कुछ समझाया था कि कैसे यौन उत्पीड़न हो रहा था और कैसे महिला पहलवानों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। खिलाड़ियों को ऐसी स्थिति में धकेला जा रहा था जहां वे अपनी जिंदगी के साथ कुछ भी कर सकती थीं।'' विनेश ने कहा, "हमने तीन-चार महीने इंतजार किया लेकिन जब कुछ नहीं हुआ तो हम जंतर-मंतर आ गए। जब हम खेल मंत्री से मिले तो महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं को साझा किया। लड़कियां उनके सामने रो रही थीं लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं हुई।'' उन्होंने कहा, "खेल मंत्री ने एक समिति बनाकर मामले को फिर से दबाने की कोशिश की। हमने इस मुद्दे को हर स्तर पर उठाने की कोशिश की लेकिन इस मामले को हमेशा दबा दिया गया।'' एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि अब लोग समझ सकते हैं कि आखिर वे 12 साल तक चुप क्यों रहे। उन्होंने कहा, "हमें खेल खेलना था। हमारा करियर, जीवन दांव पर था और इसलिए हम पर्याप्त साहस नहीं जुटा सके। अब हम अपने करियर में ऐसे मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां हम बोल सकते हैं। एक शक्तिशाली व्यक्ति के खिलाफ खड़ा होना आसान नहीं है।'' साक्षी मलिक ने कहा कि विरोध के पीछे का मकसद ट्रायल से छूट मांगना नहीं था जैसा दिखाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि उन्हें विदेश में ट्रायल में हिस्सा लेने को कहा गया जबकि वह भारत में पहले ही ट्रायल जीत चुकी थी। 2012 में एक और लड़की को जीतने के 24 घंटे के भीतर ट्रायल के लिए दोबारा उपलब्ध होने को कहा गया। विनेश ने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस अपना काम ठीक से नहीं कर रही है।

उन्होंने कहा, "दिल्ली पुलिस ने अभी तक कोई बयान दर्ज नहीं किया है। वे ताकत और पद का उपयोग करके पीड़ितों को तोड़ने में मदद कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस मामले में देरी करने की कोशिश कर रही है। वे बृजभूषण को जानकारी दे रहे हैं। शायद हमें उच्चतम न्यायालय से ही न्याय मिलेगा।'' विनेश ने कहा, "वह (डब्ल्यूएफआई प्रमुख) राष्ट्रीय टेलीविजन पर जिस तरह की का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे यह संकेत मिलता है कि वह बंद कमरे में महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार कर सकते हैं।

कोहली बनाम गंभीर : खत्म होने का नाम नहीं ले रही बरसों पुरानी रंजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के दो धुरंधरों विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच मैदान पर आईपीएल मैच के बाद हुई लड़ाई से एक बार फिर सार्वजनिक हो गया कि एक दूसरे के लिये दोनों के मन में कितनी कड़वाहट है। कैमरे में कैद हुई इस लड़ाई में दोनों ने जमकर मां बहन की गालियां भी दी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और लखनऊ सुपर जाइंट्स के बीच सोमवार की रात हुए मैच के दौरान हुई इस झड़प की शुरूआत कहां से हुई, इसे लेकर वहां मौजूद लोगों के अलग अलग मत हैं। कुछ इसे बचपना कह रहे हैं तो कुछ लोगों को इस प्रतिद्वंद्विता में मसाला मिल रहा है जबकि कुछ का मानना है कि 'भद्रजनों के खेल' में इस तरह की घटनाओं से बचना चाहिये।

एक टीम में शामिल प्रत्यक्षदर्शी ने कहा ," आपने टीवी पर देखा कि काइल मायर्स और कोहली मैच के बाद कुछ देर तक साथ चल रहे हैं। मायर्स ने कोहली से पूछा कि वह उन्हें लगातार गालियां क्यो दे रहे थे तब कोहली ने कहा कि वह (मायर्स) उन्हें घूर क्यो रहा था। इससे पहले अमित मिश्रा ने अंपायर से शिकायत की थी कि विराट दसवें नंबर के बल्लेबाज नवीनुल हक को लगातार गालियां दे रहे हैं।' प्रत्यक्षदर्शी ने कहा ," गौतम को लगा कि हालात बिगड़ जायेंगे तो उसने मायर्स को वहां से खींच लिया और कहा कि बात मत करो। तब विराट ने कुछ कहा।

इसके बाद तीखी बहस हुई जो बचकाना थी।'' उन्होंने कहा ," गौतम ने कहा कि क्या बोल रहा है बोल। इस पर विराट ने कहा कि

मैने आपको कुछ बोला ही नहीं , आप क्यो घुस रहे हो। इस पर गौतम ने कहा कि तूने अगर मेरे प्लेयर को बोला है तो मतलब तूने मेरी फैमिली को गाली दिया है और विराट ने इस पर कहा कि तो आप अपनी फैमिली को संभालकर रखिये।'' उन्होंने कहा ," गंभीर ने कहा कि तो अब तू मुझे सिखायेगा। इसके बाद दोनों को अलग किया गया।'' प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों का बर्ताव बचकाना था। इससे पहले 2013 में भी आरसीबी और कोलकाता नाइट राइडर्स के मैच के दौरान दोनों में झड़प हुई थी। कोहली उस समय सुपरस्टार बनने की ओर थे जबकि गंभीर केकेआर के कप्तान थे। गंभीर आज भी उतने ही आक्रामक हैं और टीवी विशेषज्ञ भी हैं। इसके अलावा लखनऊ के मेंटोर या रिमोट कंट्रोल कप्तान हैं। वहीं कोहली आरसीबी की धुरी है हालांकि कागजों पर फाफ डु प्लेसी कप्तान हैं। भारत के एक पूर्व खिलाड़ी ने कहा ," दोनों के आपसी संबंध काफी पेचीदा हैं। गौतम बुरा इंसान नहीं है लेकिन उससे निपटना कठिन है। उसे चिन्नास्वामी स्टेडियम पर विराट का नाम ले रहे दर्शकों को मुंह पर ऊंगली रखने का इशारा नहीं करना चाहिये था। '' कोहली के ट्विटर पर अकेले 55 . 4 मिलियन फालोअर हैं जबकि भाजपा सांसद गंभीर के 12.5 मिलियन फालोअर हैं। दोनों के प्रशंसक अब एक दूसरे के खिलाफ झूठी कहानियां गढ रहे हैं। कुल मिलाकर यह ऐसी घटना है जिसे भारतीय क्रिकेटप्रेमी याद नहीं रखना चाहेंगे क्योंकि इसमें किसी का आचरण काबिले तारीफ नहीं रहा।

पटनायक ने ओडिशा एफसी को सुपर कप जीतने पर बधाई दी

नई दिल्ली। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंगलवार को ओडिशा एफसी फुटबॉल टीम को सुपर कप ट्रॉफी जीतने पर बधाई दी। ओडिशा एफसी की टीम ने सुपर कप ट्रॉफी के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात की जिसे उन्होंने पहली बार जीता था। अध्यक्ष राज अठवाल, मुख्य कोच क्लिफोर्ड मिरांडा, खिलाड़ियों अमरिंदर सिंह और शुभम सारंगी, महाप्रबंधक अभीक चटर्जी और क्लब के मनोचिकित्सक डॉ. अमृत पट्टोजोशी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। पटनायक ने कहा, ''मैं ओडिशा एफसी से जुड़े सभी लोगों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई देना चाहता हूं। कोच और खिलाड़ियों ने हमें गौरवांवित किया है और मुझे उम्मीद है कि ओडिशा एफसी अपनी जीत की फॉर्म जारी रखेगा और नई पीढ़ी के फुटबॉलरों को प्रेरित करेगा।'' पटनायक ने जोर देकर कहा कि टीम की सफलता उनकी प्रतिबद्धता और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने प्रत्येक खिलाड़ी की उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और टीम में योगदान के लिए प्रशंसा की। अठवाल ने भारत में सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल सुविधाएं बनाने और वर्षों से टीम को समर्थन देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। क्लब के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को ओडिशा एफसी का समर्थन करने और फुटबॉल के समुचित विकास के लिए एक समग्र खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

आईपीएल के बीच बढ़ने वाली है मोहम्मद शमी की मुश्किलें

पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई गुहार, गिरफ्तारी की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दमदार चार विकेट हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया है। धमाकेदार फॉर्म में दिख रहे मोहम्मद शमी की मुश्किलें बढ़ने जा रही है क्योंकि मोहम्मद शमी और उनकी पत्नी के बीच जारी विवाद नए मोड़ पर पहुंच गया है।

कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद अब मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट में उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें मोहम्मद शमी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी के वारंट पर रोक लगाने का आदेश बरकरार रखा था। इससे पहले सत्र न्यायालय भी शमी के खिलाफ

गिरफ्तारी के वारंट पर रोक लगा चुकी है। वहीं अब कलकत्ता हाई कोर्ट के इस फैसले को मोहम्मद शमी की पत्नी ने चुनौती दी है।

बता दें कि मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने अपने वकील दीपक प्रकाश, नचिकेता वाजपेयी, दिव्यांगना मलिक के साथ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इस बार भी हसीन जहां ने आरोप लगाया है कि मोहम्मद शमी उनसे दहेज की मांग करते थे। इसे लेकर ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका के अलावा हसीन जहां ने मोहम्मद शमी पर ये भी आरोप लगाता है कि वो शादीशुदा होने के बाद भी लगातार अन्य महिलाओं के साथ संबंध में थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मोहम्मद शमी बीसीसीआई द्वारा आयोजित दौरों में होटल के कमरों में वो अन्य महिलाओं के साथ संबंध बनाते थे। याचिका के मुताबिक अलीपुर की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत की तरफ से 29 अगस्त 2019 को शमी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इस फैसले को शमी ने सत्र न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसके बाद इस मामले में आगे की प्रक्रिया पर रोक लगाई गई थी। इसके बाद हसीन जहां ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जिसके बाद वहां से भी उन्हें निराशा हाथ लगी। अब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

पर्पल कैप और ऑरेंज कैप के लिए ये हैं दावेदार, जानें यहां

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेविड वार्नर की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत चैंपियन गुजरात टाइटन्स (जीटी) को 5 रनों से हराकर सीजन की अपनी तीसरी जीत दर्ज की। बहुत से लोगों ने नहीं सोचा होगा कि दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम की पिच धीमी होगी क्योंकि गुजरात टाइटंस ने जीटी ने दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी की थी। मोहम्मद शमी के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के बाद अमन हकीम खान के करियर के पहले अर्धशतक से दिल्ली कैपिटल्स ने बेहद खराब शुरुआत से उबरते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में

मंगलवार को यहां आठ विकेट पर 130 रन बनाए थे। इस मुकाबले में दिल्ली की टीम ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए जीता हासिल कर ली थी। इस मुकाबले के बाद अब पॉइंट्स टेबल में भी बदलाव आ गया है। जीटी बनाम डीसी स्थिरता के परिणाम का आईपीएल 2023 अंक तालिका पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। जीटी और डीसी दोनों स्पेक्ट्रम के विपरीत छोर पर खड़े हैं। जबकि गुजरात आईपीएल 2023 अंक तालिका में सबसे आगे है, दिल्ली की राजधानियों को नौ मैचों में छह अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे रखा गया है। गुजरात टाइटन्स नौ मैचों में 12 अंकों के साथ आगे चल रही है, इसके बाद राजस्थान रॉयल्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और पंजाब किंग्स आईपीएल 2023 में नौ मैचों में 10 अंकों के साथ आगे हैं। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप के लिए भी दावेदारी में बदलाव देखने को नहीं मिला है। गुजरात के शीर्ष बल्लेबाज शुभमन गिल छह रन बनाकर कुल 339 रन बनाकर छठे स्थान पर हैं। दूसरी ओर, डेविड वार्नर, जो दिल्ली की राजधानियों के शीर्ष बल्लेबाज हैं, 308 रनों के साथ सूची में आठवें स्थान पर हैं। आईपीएल 2023 ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड का नेतृत्व आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस कर रहे हैं, जिन्होंने नौ पारियों में 466 रन बनाए हैं। आरआर के यशस्वी जायसवाल और सीएसके के डेवोन कॉनवे क्रमशः 428 और 414 रन बनाकर शीर्ष पर है। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ चार विकेट के शानदार स्पेल ने जीटी के मोहम्मद शमी को आईपीएल 2023 पर्पल कैप तालिका में सबसे ऊपर है। मोहम्मद शमी ने दिल्ली के खिलाफ खेले गए मुकाबले में चार विकेट हासिल किए है। वर्तमान में वो पर्पल कैप हासिल करने की लिस्ट में 17 विकेट के साथ शीर्ष पर है। उनके बाद चेन्नई सुपर किंग्स के तुषार देशपांडे हैं जो 17 विकेट हासिल कर चुके है। वहीं बैंगलोर के मोहम्मद सिराज और गुजरात के राशिद खान तीसरे और चौथे स्थान पर है।

अमन और गेंदबाजों ने दिल्ली को गुजरात पर जीत दिलाई

नई दिल्ली। अमन हकीम खान के करियर के पहले अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स ने उतार-चढ़ाव से भरे कम स्कोर वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मंगलवार को यहां शीर्ष पर चल रहे गुजरात टाइटंस को पांच रन से हराकर नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा। दिल्ली के 131 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस की टीम कप्तान पंड्या (53 गेंद में नाबाद 59, सात चौके) के नाबाद अर्धशतक और अभिनव मनोहर (26) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 62 रन की साझेदारी के बावजूद छह विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

राहुल तेवतिया ने सात गेंद में तीन छक्कों से 20 रन बनाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। दिल्ली की ओर से इशांत शर्मा (23 रन पर दो विकेट) और खलील अहमद (24 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि कुलदीप यादव ने चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर एक विकेट चटकाया। दिल्ली कैपिटल्स ने मोहम्मद शमी (11 रन पर चार विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के बाद अमन (44 गेंद में 51 रन, तीन छक्के, तीन चौके) के अर्धशतक से बेहद खराब शुरुआत से उबरते हुए आठ विकेट

पर 130 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। मोहित शर्मा (33 रन पर दो विकेट) और राशिद खान (28 रन पर एक विकेट) ने शमी अच्छा साथ दिया जबकि नूर अहमद ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 20 रन दिए लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली।

अमन ने अक्षर पटेल (27) के साथ छठे विकेट के लिए 50 और रिपल पटेल (23) के साथ सातवें विकेट के लिए 53 रन की महत्वपूर्ण साझेदारियां भी की। लक्ष्य का पीछा करने उतरे गुजरात की शुरुआत भी खराब रही और टीम ने 32 रन तक चार विकेट गंवा दिए। खलील ने पारी के पहले ओवर में रिद्धिमान साहा (00) को विकेटकीपर फिल सॉल्ट के हाथों कैच कराया जबकि एनरिच नोर्किया (39 रन पर एक विकेट) की गेंद को दूसरे सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (06) प्वाइंट पर मनीष पांडे के हाथों में खेल गए। इशांत ने इसके बाद विजय शंकर (06) को बोल्ड किया। कप्तान हार्दिक ने तीसरे ओवर में खलील पर तीन चौके मारे जबकि नोर्किया की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। टाइटंस ने पावरप्ले मेंतीन विकेट पर 31 रन बनाए। कुलदीप ने अगले ओवर में डेविड मिलर (00) को बोल्ड करके टाइटंस को चौथा झटका दिया।

हार्दिक को इसके बाद मनोहर के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। अभिनव ने अक्षर पर पारी का पहला छक्का मारा। टाइटंस के रनों का अर्धशतक 11वें ओवर में पूरा हुआ। हार्दिक ने खलील पर चौके के साथ 27 गेंद के बाउंड्री के सूखे को खत्म किया। गुजरात को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 52 रन की दरकार थी। हार्दिक ने कुलदीप की गेंद पर एक रन के साथ 44 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन दो ओवर में 15 रन ही बने। टाइटंस को अब तीन ओवर में 37 रन की जरूरत थी। खलील की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में अभिनव ने अमन को कैच थमा दिया।

उन्होंने 33 गेंद का सामना करते हुए एक छक्का मारा। ओवर में सिर्फ चार रन बने। तेवतिया ने नोर्किया पर लगातार तीन छक्कों के साथ गुजरात की उम्मीद जगाई। अंतिम ओवर में टाइटंस को अब सिर्फ 12 रन की जरूरत थी और गेंद अनुभवी इशांत के हाथों में थी। इशांत ने पहली तीन गेंद में तीन रन दिए और चौथी गेंद पर तेवतिया को रिली रोसेयु के हाथों कैच करा दिया। अब अंतिम दो गेंद पर टाइटंस को नौ रन की जरूरत थी लेकिन गुजरात के बल्लेबाज तीन रन ही बना सके। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पांचवें ओवर में 23 रन तक ही पांच विकेट गंवा दिए। शमी ने मैच की पहली ही गेंद पर फिल सॉल्ट (00) को एक्सट्रा कवर पर डेविड मिलर के हाथों कैच करा दिया। हार्दिक पंड्या के अगले ओवर की पहली ही गेंद पर दिल्ली के कप्तान डेविड वार्नर (02) गैरजरूरी रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए जबकि यह नोबॉल थी। शमी ने पारी के तीसरे ओवर में रिली रोसेयु (08) जबकि पांचवें ओवर में मनीष पांडे (01) और प्रियम गर्ग (10) को विकेटकीपर रिद्धिमान साहा के हाथों कैच कराके दिल्ली के शीर्ष और मध्यक्रम को ध्वस्त किया। दिल्ली की टीम पावर प्ले में पांच विकेट पर 28 रन ही बना सकी। अमन ने जोश लिटिल पर चौके के बाद राशिद खान की गेंद पर छक्का जड़ा। अक्षर ने भी शमी की गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराए। अक्षर ने राशिद पर छक्के के साथ 10वें ओवर में टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया।

अक्षर हालांकि रन गति बढ़ाने के प्रयास में मोहित की गेंद पर राशिद को कैच दे बैठे। दिल्ली ने 15 ओवर में छह विकेट पर 78 रन बनाए। अमन ने मोहित के अगले ओवर में चौके और छक्के के साथ रन गति में इजाफा करने की कोशिश की। रिपल ने लिटिल पर दो चौकों के साथ 17वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। अमन ने मोहित पर छक्का और फिर दो रन के साथ 41 गेंद में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया लेकिन राशिद की गेंद पर अभिनव मनोहर को कैच दे बैठे। मोहित ने पारी के अंतिम ओवर में रिपल को आउट करके 100वां आईपीएल विकेट हासिल किया।

लखनऊ को लगा बड़ा झटका, बचे हुए सत्र से बाहर हुए केएल राहुल,डी कॉक को मिलेगा मौका

मुम्बई। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल 2023 भी अबतक ठीक रहा है। एक-दो मुकाबलों को छोड़ दें तो टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इन सब के बीच लखनऊ सुपर जायंट्स को बड़ा झटका लगा है। जांघ में गंभीर चोट के की वजह से कप्तान लोकेश राहुल आईपीएल के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये हैं। इतना ही नहीं, लखनऊ को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के कंधे की स्थिति भी गंभीर है और वह भी इस आईपीएल से बाहर हो गए हैं। एक वरिष्ठ बीसीसीआई सूत्र ने नाम न छापने की शर्तों पर बताया कि केएल इस समय लखनऊ में टीम के साथ है, लेकिन वह बुधवार को सीएसके के खिलाफ खेल देखने के बाद गुरुवार को शिविर छोड़ रहे है। उसका स्कैन मुंबई में बीसीसीआई द्वारा नामित चिकित्सा सुविधा में किया जाएगा।

केएल राहुल के चोटिल होने का मतलब है कि क्विंटन डी कॉक आखिरकार टीम में शामिल हो गए हैं। टीम ने उनकी जगह अबतक काइल मेयर्स को प्राथमिकता दी थी। माना जा रहा है कि इस सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी क्रुणाल पांड्या करेंगे। सीनियर बल्लेबाज एवं विकेटकीपर राहुल को लंदन में सात से 11 जून तक होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए तैयार करना मुश्किल होगा। राहुल को दाहिनी जांघ में यह चोट मार्कस स्टोइनिस की गेंद पर फाफ डु प्लेसिस के कवर ड्राइव को बाउंड्री के पास रोकने की कोशिश के दौरान लगी थी। सूत्र ने यह भी पुष्टि की कि अब तक कोई स्कैन नहीं किया गया है।

लोकेश राहुल और तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के चोटिल होने के कारण कमजोर पड़ी लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम को बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से सतर्क रहना होगा जो वापसी करने के लिए बेताब है।

जीत का सिलसिला जारी रखेगी पाक या सीरीज में वापसी करने में सफल होगी न्यूजीलैंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है। तीसरे मुकाबले से पहले दो मुकाबले पाकिस्तान की टीम अपनी झोली में डाल चुकी है, जबकि सीरीज में न्यूजीलैंड 2-0 से पीछे है। वहीं तीसरा मुकाबला कराची स्थित नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। पांच मैचों की सीरीज के लिहाज से ये मुकाबला दोनों ही टीमों के लिए बेहद अहम है। इस मुकाबले के जरिए जहां न्यूजीलैंड जीत के साथ सीरीज में पाकिस्तान का विजय रथ रोकते हुए वापसी करना चाहिए। वहीं पाकिस्तान तीसरा मुकाबला जीतकर सीरीज अपने कब्जे में करना चाहेगी।

गौरतलब है कि पांच मुकाबलों

की इस सीरीज में अब तक दो एकदिवसीय मुकाबले खेले जा चुके है। इसमें पहला और दूसरा मुकाबला रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेल गया था। इन दोनों मुकाबलों में न्यूजीलैंड की टीम को हार का सामना करना पड़ा था। बता दें कि कराची के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है। स्पिनर्स इस पिच पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते है। आंकड़ों के अनुसार इस पिच पर पहली पारी का स्कोर 234 रहा है। बता दें कि नेशनल स्टेडियम में अब तक कुल 67 मुकाबले खेले गए है, जिसमें पहले गेंदबाजी करने वाली टीम ने 34 और बाद में गेंदबाजी करने वाली टीम ने 30 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। अगर पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीम की बात करें तो पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमें आपस में कई बार भिड़ चुकी है। दोनों टीमें अब तक 112 बार आमने सामने आ चुकी है। इस दौरान पाकिस्तान की टीम ने 58 जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने 50 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। यानी जीत के मामलों में पाकिस्तान की टीम का पलड़ा बारी है। फखर जमां के लगातार दूसरे शतक की मदद से पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट की आसान जीत दर्ज की। पहले एकदिवसीय में 117 रन की पारी खेलने वाले फखर ने दूसरे एकदिवसीय में 144 गेंद में 180 रन बनाए जिससे पाकिस्तान की टीम इस प्रारूप में अपने दूसरे सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। न्यूजीलैंड ने डेरिल मिशेल (119 गेंद में 129 रन, आठ चौके, तीन छक्के) के लगातार दूसरे शतक और करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से पांच विकेट पर 336 रन बनाए थे।

इन दोनों स्पिनरों ने 20 ओवर में 154 रन लुटाए। इससे पहले मिशेल ने लैथम (85 गेंद में 98 रन, आठ चौके, एक छक्का) के साथ तीसरे विकेट के लिए 183 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। सलामी बल्लेबाज चाड बोवेस ने भी 51 रन का योगदान दिया। मिशेल और लैथम की बदौलत न्यूजीलैंड की टीम अंतिम 10 ओवर में 98 रन जोड़ने में सफल रही। पाकिस्तान की ओर से हारिस राउफ ने 78 रन देकर चार विकेट चटकाए।

सम्पादकीय

कास्ट सेंसस के बहाने

जाति जनगणना की मांग एक बार फिर तेज हुई है। कर्नाटक के कोलार में रविवार को हुई रैली में राहुल गांधी ने यह मामला उठाया और उसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में जाति जनगणना करवाने की मांग दोहरा कर बहस को एक कदम आगे बढ़ा दिया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बीजेपी को अगर ओबीसी से इतना ही प्यार है तो वह उसे शब्दों तक सीमित न रखे और 2011 में हुई जाति जनगणना के आंकड़ों को जल्द से जल्द सार्वजनिक कर दे। कांग्रेस के इस तेवर को बीजेपी के उस रुख का जवाब माना जा रहा है, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले का फैसला आने के बाद बीजेपी नेताओं ने उनके मूल बयान को मोदी सरनेम तक सीमित न रखते हुए उसे पूरे ओबीसी समुदाय का अपमान बताना शुरू कर दिया था। जाति जनगणना की मांग को कांग्रेस ने जिस तरह उठाया है, उससे साफ है कि वह न सिर्फ कर्नाटक विधानसभा चुनावों में बल्कि आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर विपक्षी एकता को मजबूती देने वाले एक कारक के रूप में भी इसका इस्तेमाल करने का मूड बना चुकी है। अपने आप में इसे गलत भी नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में कोई राजनीतिक दल अपनी सुविधा और मर्जी के हिसाब से मुद्दे चुनने और उनका चुनावी इस्तेमाल करने को स्वतंत्र होता है। लेकिन अपने देश में कई जरूरी मुद्दे सिर्फ इस्तेमाल ही होते रह जाते हैं। जाति जनगणना को लेकर कांग्रेस का ताजा रुख कुछ ऐसा ही संकेत देता लग रहा है। 2011 में जाति जनगणना का फैसला यूपीए सरकार के कार्यकाल में ही हुआ था जिसकी अगुआई कांग्रेस कर रही थी। तब भी उन आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। 2014 में सत्ता में आई मोदी सरकार ने भी इस पर वही रुख रखा। हालांकि कांग्रेस अब कह रही है कि जनगणना के आंकड़े तैयार होने के बाद जब उसे जारी करने का वक्त आया, तभी यूपीए सरकार का कार्यकाल खत्म हो गया। बहरहाल, इसे कांग्रेस का यू-टर्न भी कह लें तो इसमें संदेह नहीं कि कम से कम आज की तारीख में वह कास्ट सेंसस की विपक्षी दलों की मांग पर उनके साथ खड़ी दिख रही है। इससे बीजेपी की मुश्किल कुछ और बढ़ जाती है क्योंकि बिहार के तमाम राजनीतिक दलों के साथ खुद को इस मांग के पक्ष में दिखाने के बावजूद वह अपनी ही केंद्र सरकार से इसे स्वीकार नहीं करवा पा रही। लेकिन तमाम दल एक-दूसरे की परेशानी चाहे बढ़ाते-घटाते रहें, मुद्दे को उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाना तब तक संभव नहीं होगा, जब तक राजनीतिक दल पैंतरेबाजी से आगे बढ़कर इसे अपने संकल्प का हिस्सा नहीं बनाते। इन दलों ने इसे वाकई संकल्प का हिस्सा बना लिया है या नहीं, इसका पता तो चुनाव के बाद ही चलेगा।

दक्षिण में भाजपा को मजबूती प्रदान कर रही है प्रधानमंत्री मोदी की रणनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में उत्तर, पश्चिम तथा पूर्वोत्तर भारत में अपनी जड़ें जमाने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने अब दक्षिण की ओर रुख किया है। भाजपा दक्षिण के राज्यों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है लेकिन उसे अभी तक कर्नाटक को छोड़कर किसी और दक्षिणी राज्य में उल्लेखनीय सफलता अर्जित नहीं हो पाई है। इस बार दक्षिण के लिए भाजपा के तेवर तीखे और विजय की अभिलाषा वाले हैं। पार्टी इस बार मोदी के नेतृत्व में नई रणनीति के साथ दक्षिण भारतीयों का दिल जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं दक्षिण के राज्यों के सघन दौरे कर रहे हैं।

केरल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोच्चि व तिरुअनंतपुरम शहरों में आयोजित रोड शो में जिस प्रकार आम जन उमड़ पड़ा, उन पर पुष्पवर्षा की तथा मोदी-मोदी के नारे लगाए उसे देखकर यह लग रहा है कि आने वाला समय केरल व दक्षिण के राज्यों में भी भाजपा का हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दक्षिण मिशन को केवल चुनावी दृष्टिकोण से ही नहीं हो रहा है अपितु 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विचार की स्थापना के लिए भी हो रहा है। इससे दक्षिण भारत में भाषा समस्या, उत्तर दक्षिण विभाजन, बदलती जन सांख्यकी, धर्म परिवर्तन, राजनीति में परिवारवाद, भ्रष्टाचार आदि पर आम जन को विश्वास में लेकर प्रहार किया जा सकेगा और एक भारत श्रेष्ठ भारत ताथा विकसित भारत और भ्रष्टाचार मुक्त भारत की संकल्पना को साकार किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने अपनी केरल की दो दिवसीय यात्रा में कई कार्यक्रमों में भाग लिया, कोच्चि में उन्होंने युवाओं के कार्यक्रम को संबोधित किया जबकि तिरुअनंतपुरम में वंदे भारत मेट्रो की सौगात दी। केरल यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने पादरियों से मुलाकात की जिससे सेक्लुयर बिरादरी के माथे पर पसीना आ गया। जैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चिर परिचित अभ्यास है वो जिस प्रान्त में जाते हैं वहीं के परिधान और परंपरा को अपना लेते हैं उन्होंने अपनी केरल यात्रा के दौरान केरल केरल के पारंपरिक परिधान में ही सारे कार्यक्रम और यात्रा संपन्न की। उन्होंने केरल की जनता को वंदे भारत एक्सप्रेस, वाटर मेट्रो सहित विकास योजनाओं के कई उपहार दिए, तिरुअनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में 3200 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उन्होंने शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं का संबोधित करते हुए केरल के लिए भविष्य की राजनीति की योजना भी बता दी। उन्होंने राज्य में हो रहे घोटालों तथा भ्रष्टाचार की चर्चा करते हुए कहा कि केरल सरकार व यहां के सभी दल युवाओं के भविष्य के छल कर रहे हैं। केरल सरकार युवाओं के लिए न तो रोजगार मेला आयोजित करती है और न ही सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती विज्ञापन निकालती है जबकि जहां-जहां डबल इंजन की सरकारें हैं वहां पर युवाओं के लिए रोजगार मेलों तथा सरकारी नौकरियों की बयार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा हमेशा युवाओं के साथ रहेगी जबकि पारंपरिक मोर्चे युवाओं की भलाई का कर्तव्य निभाने में विफल रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में दो पारंपरिक राजनीतिक

मोर्चों के बीच वैचारिक मतभेद के कारण केरल में युवाओं ने बहुत सारे अवसर खो दिए। एक पार्टी ने अपने विकास को प्राथमिकता दी तो वहीं दूसरे दल ने परिवारवाद को और दोनों ने ही युवाओं को फेल कर दिया। युवाओं को आकर्षित करने के लिए उन्होंने कहा कि आज देश तेज गति से प्रगति कर रहा है और आप सभी युवा केरल का एक नया इतिहास लिखें और उसका नेतृत्व करें मैं आपका अनुसरण करने के लिए तैयार हूं। केरल हवाई अड्डे पर कांग्रेस के नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और दोनों नेता एक दूसरे का हाथ थामे नजर आए, उनका यह चित्र सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस चित्र के सामने आने के बाद राजनैतिक विश्लेषक अनुमान लगा रहे हैं कि भविष्य में शशि थरूर भी कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा का हाथ थाम सकते हैं। केरल में अपनी राजनैतिक स्थिति को मजबूती प्रदान करने के लिए भाजपा लगातार काम कर रही है और यही कारण है कि भाजपा ने महान धाविका पीटी ऊषा को राज्यसभा में मनोनीत किया है। केरल व दक्षिण के राज्यों में ईसाइयों के बीच अपनी पैठ मजबूत करने के लिए भाजपा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके तमाम आनुषांगिक संगठनों का भी सहयोग प्राप्त कर रही है। अभी अल्पसंख्यक पर्वों- गुड फ्राइडे आदि के अवसर पर राष्ट्रीय ईसाई मंच की ओर से स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया था। संघ के कई पदाधिकारी पादरियों से मिलने गये व विभिन्न विषयों व समस्यायों चर्चा भी हुई। ईसाइयों के बीच भाजपा की छवि को सुधारने के लिए ही प्रधानमंत्री 8 ईसाई पादरियों से भी मिले। केरल में 18 प्रतिशत ईसाई और 28 प्रतिशत मुस्लिम तथा 54 प्रतिशत हिंदू हैं। प्रधानमंत्री ने केरल वासियों से कहा कि जिस प्रकार से अभी हाल ही में नागालैंड, मेघालय व त्रिपुरा में कमल खिला है और बार-बार खिल रहा है तथा वहां के अल्पसंख्यक समाज ने जिस प्रकार सभी राजनैतिक अवधारणाओं को बदल कर रख दिया है उससे उनका यह संकल्प और मजबूत हो गया है कि आगामी समय में केरल में भी कमल खिलेगा और सभी अवधारणाओं को विफल करेगा। प्रधानमंत्री दक्षिण में भाजपा को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। इससे पूर्व वे तमिलनाडु और तेलंगाना का भी तूफानी दौरा कर आये हैं। इसी वर्ष तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है और वहां पर भी वह वंदेभारत सहित हजारों करोड़ की योजनाओं का उपहार देकर आये थे। प्रधानमंत्री व बीजेपी के ताजा प्रयासों से दक्षिण की राजनीति में एक नई चमक व उत्तेजना दिखाई पड़ रही है। बीजेपी व संघ की बढ़ती लोकप्रियता से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन घबरा रहे हैं तो केरल व कर्नाटक के वामपंथी और कांग्रेसी भी। तमिलनाडु सरकार ने भाजपा व संघ की बढ़ती लोकप्रियता को रोकने के लिए हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथसंचलन को रोकने का असफल प्रयास किया और स्टालिन अपने ही दांव में घिर गये। प्रधानमंत्री के नेतृत्व व उनके मार्ग निर्देशन में काशी से लेकर गुजरात में तमिल संगमम जैसे आयोजन किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की ताजा दक्षिण यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि जिस राज्य में कभी भाजपा को एक कार्यकर्ता तक खोजे नहीं मिलता था, उसी राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखने व सुनने के लिए लाखों की उत्साहित भीड़ आ रही है। केरल का जनमानस अच्छी तरह से समझ रहा है कि आज भारत का भविष्य प्रधानमंत्री रेंद्र मोदी के हाथों में ही सुरक्षित है तथा वही राज्य को घोटालों और मुगलिया संस्कृति से आजाद करा सकते हैं। अब केरल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा की बढ़ रही लोकप्रियता के कारण अन्य विचारधारा वाले दलों का साथ भी मिलने लगा है। अभी बीबीसी विवाद के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी के पुत्र अनिल एंटनी ने बीजेपी का दामन थामा।

प्रधानमंत्री, भाजपा व संघ की बढ़ती लोकप्रियता के कारण दक्षिण के परिवारवादी नेता एक बार फिर हिंदी विरोध पर उतर आये हैं। उनको लगता है कि संघ के पथसंचलन पर बैन लगाकर, हिंदी को गाली देकर व अपमानित करके ही दक्षिण में भाजपा की बढ़त को रोका जा सकता है किंतु अब यह तय है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का मन बदल रहा है।

अभी कर्नाटक में विधानसभा चुनावों से यह साफ हो जाएगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व बीजेपी का दक्षिण विजय का अभियान कितना सफल हो रहा है। कर्नाटक का विधानसभा चुनाव एक लिटमस टेस्ट होगा। विश्लेषकों का अनुमान है कि कर्नाटक में बहुत कांटे की टक्कर हो रही है किन्तु यदि भाजपा सरकार बनाने में चूक भी जाती है तो भी उसका मतलब यह नहीं होगा कि बीजेपी का मिशन दक्षिण फेल हो गया अपितु वह और अधिक मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी। अब प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा के संकल्प को रोकना कठिन होगा।

जगदीश शेट्टार ने साबित किया कि पद ही सब कुछ होता है

कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता जगदीश शेट्टर कांग्रेस में शामिल हो गये। दरअसल भाजपा ने इस बार विधानसभा चुनावों के लिए शेट्टर को टिकट नहीं दिया था इसीलिए वह नाराज हो गये थे। उन्होंने दिल्ली जाकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात की थी लेकिन बात नहीं बन सकी थी। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने भी जगदीश शेट्टर को उम्मीदवारी दिलाने के लिए काफी प्रयास किये थे लेकिन पार्टी आलाकमान ने एक फॉर्मूले के तहत कई वरिष्ठ नेताओं को इस बार विधानसभा चुनावों में नहीं उतार कर युवाओं को मौका दिया है। जगदीश शेट्टर से भी कहा गया था कि वह चाहें तो उनके परिवार से किसी को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। इसके अलावा जगदीश शेट्टर को राज्यसभा की सीट का प्रस्ताव भी दिया गया था लेकिन उनके अड़ियल रुख को देखते हुए उन्हें मनाने के प्रयास छोड़ दिये गये थे। हम आपको यह भी बता दें कि पिछले हफ्ते ही पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता रहे लक्ष्मण सावदी भी उम्मीदवार नहीं बनाये जाने से नाराज

होकर पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गये थे। ऐसे में दो बड़े नेताओं का पार्टी छोड़ना और जिन विधायकों के टिकट कटे हैं उनका कांग्रेस और जनता दल सेक्युलर के साथ चले जाना, निश्चित ही भाजपा की चुनावी संभावनाओं पर असर डाल सकता है। जहां तक जगदीश शेट्टर की बात है तो आपको बता दें कि साल 2013 में डीवी सदानंद गौड़ा के इस्तीफे के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया था। यही नहीं, भाजपा ने साल 2013 का विधानसभा चुनाव उनको मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करके लड़ा था, लेकिन उस चुनावों में भाजपा की करारी हार हो गयी थी। चुनाव के बाद जगदीश शेट्टर को किनारे नहीं किया गया बल्कि उन्हें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया गया। अब जब वह कांग्रेस में शामिल हुए तो उससे स्पष्ट हो गया कि कुछ राजनीतिज्ञों के लिए पद ही सब कुछ है। विचारधारा का उनके लिए कोई महत्व नहीं है। जिस पार्टी ने उन्हें आधा दर्जन बार विधायक बनाया, कैबिनेट मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष बनाया और मुख्यमंत्री तक बनाया, उसे उन्होंने महज एक चुनावी टिकट के लिए अलविदा कह दिया। पांच दशक से ज्यादा समय तक वह संघ और जनसंघ की विचारधारा के साथ पले बढ़े और उसके प्रसार में महती भूमिका निभाई, इसलिए अब जब उन्होंने पाला बदल लिया है तब यह सवाल उठेगा ही कि दूसरी विचारधारा के साथ वह कैसे सामंजस्य बिठा पायेंगे? जगदीश शेट्टर को इस उम्र में भाजपा छोड़ने से पहले यह भी सोचना चाहिए था कि यदि कर्नाटक में कांग्रेस विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाई तब उनकी जिंदगी भर की मेहनत पर पानी फिर जायेगा। बहरहाल, देखा जाये तो जगदीश शेट्टर जैसे वयोवृद्ध नेताओं की राजनीति में बने रहने की इच्छा भी विकास में बड़ी बाधक है। यदि वयोवृद्ध नेता युवाओं के लिए पद छोड़ना शुरू कर दें और अपने अनुभव का लाभ उन्हें देते हुए उनका मार्गदर्शन करें तो युवाओं की ऊर्जा और वरिष्ठों के अनुभव का समावेश राज्य और देश के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा।

देश के इस सपूत ने नहीं स्वीकारी गुलामीं

भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद भगत सिंह ने महज 23 साल की उम्र में देश के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी। वह आजादी की लड़ाई के दौरान सभी युवाओं के यूथ आइकॉन थे। वह देश की आजादी में आगे आने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करते थे। आज के दिन यानि की 23 मार्च को भगत सिंह को फांसी दे दी गई थी। काफी कम उम्र में भगत सिंह के मन में देश के लिए कुछ कर गुजरने की चाह पैदा हो गई थी। उनका पूरा जीवन संघर्षों में बीता। आइए जानते हैं भगत सिंह के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें... भगत का जन्म लायलपुर ज़िले के बंगा, जो वर्तमान में पाकिस्तान में 27 सितंबर 1907 को सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम किशन सिंह था। भगत सिंह के जन्म के दौरान उनके पिता किशन जेल में थे। भगत सिंह में बचपन से अपने परिवार वालों में देश के लिए भक्ति देखते चले आ रहे थे। जिसके कारण उनके अंदर भी बचपन से ही देशप्रेम जाग गया था। भगत सिंह के चाचा अजीत सिंह भी स्वतंत्रता सेनानी थी। भगत सिंह के पिता ने उनकी शिक्षा के लिए दयानंद एंग्लो वैदिक हाई स्कूल में एडमिशन कराया था। तब उनकी मुलाकात भगवती चरन, सुखदेव थापर और अन्य कुछ लोगों से हुई। उस दौरान आजादी की लड़ाई उस समय जोरों पर थी। देश प्रेम के कारण भगत सिंह ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और पूरी तरह से देश की आजादी में कूद गए। जब भगत सिंह के घरवालों ने उनसे शादी करने के लिए कहा तो भगत सिंह ने जवाब दिया कि अगर वह आजादी से पहले शादी करेंगे तो उनकी दुल्हन मौत होगी। भगत सिंह कॉलेज में कई नाटकों में भाग लेते थे। जिस कारण वह काफी अच्छे एक्टर भी थे। देश भक्ति से परिपूर्ण नाटकों से वह देश के युवाओं को आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने के लिएओ प्रोत्साहित करते थे।

कर्नाटक चुनाव 2023 में प्रचार से हिजाब और महाराष्ट्र सीमा विवाद संबंधी मुद्दे गायब कैसे हो गये?

कर्नाटक में 10 मई को होने वाले मतदान से पहले चुनाव प्रचार जोरों पर है। इस बीच वह सब मुद्दे गायब होते दिख रहे हैं जोकि एक महीने पहले सुर्खियों में थे। मसलन हिजाब, सीमा विवाद आदि मुद्दे कर्नाटक में चुनाव प्रचार से गायब हो चुके हैं। खानापुर और अन्य सीमावर्ती गांवों की बात करें तो यहां कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद चुनावी मुद्दा नहीं है। देखा जाये तो उत्तरी कर्नाटक के बेलगावी जिले में पिछले सात दशक से भाषीय आधार पर सीमा विवाद में फंसा खानापुर विधानसभा क्षेत्र विकास के लिए तरस रहा है और लोग इसके जल्द समाधान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा जता रहे हैं। हम आपको बता दें कि मराठी भाषी बहुल क्षेत्र खानापुर उन 264 गांवों में से एक है जिन्हें महाजन आयोग ने 1967 में पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र को देने की सिफारिश की थी। इसमें निप्पानी विधानसभा क्षेत्र भी शामिल है। दुखद रूप से, भाषीय बहुल गांवों को स्थानांतरित करने को लेकर कर्नाटक तथा महाराष्ट्र के बीच विवाद धीरे-धीरे राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा बन गया। कर्नाटक में 1960 में विधानसभा चुनाव शुरू होने के बाद से ही खानापुर विधानसभा सीट पर ज्यादातर एमईएस की जीत हुई है लेकिन अभी तक कोई भी उम्मीदवार पुनः निर्वाचित नहीं हुआ। भाजपा ने 2008 में पहली बार यह सीट जीती थी जबकि कांग्रेस ने 2018 में पहली बार इस सीट पर जीत हासिल की थी। राज्य पुनर्गठन कानून, 1956 और 1967 के महाजन आयोग की सिफारिशों को लागू न करने को चुनौती देने वाली महाराष्ट्र सरकार की याचिका उच्चतम न्यायालय में लंबित है जिसके कारण खानापुर की अनदेखी की गयी और वहां बस सुविधाएं तथा वन्य क्षेत्रों में स्कूल, उचित सड़कें, पुल तथा नहर और उच्च शिक्षण संस्थान समेत बुनियादी सुविधाओं की कमी है। न केवल खानापुर बल्कि विवाद में फंसे कई गांवों के निवासी इसके जल्द समाधान का इंतजार कर रहे हैं ताकि विकास कार्यों में और विलंब न हो। हम आपको बता दें कि महाजन आयोग ने 1967 में सौंपी अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की थी कि 264 गांवों का महाराष्ट्र में विलय किया जाए तथा बेलगावी और 247 गांव कर्नाटक में ही बने रहें। हालांकि, महाराष्ट्र ने इस रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और अतार्किक बताया था जबकि कर्नाटक ने इसका स्वागत किया था। वहीं कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में प्रचार अभियान में हिजाब अब बड़ा मुद्दा नहीं है। देखा जाये तो पिछले साल राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में छाया रहा शैक्षणिक संस्थानों में मुस्लिम छात्राओं के 'हिजाब' पहनने का विवादास्पद मुद्दा कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार में जोर पकड़ता नहीं दिख रहा। उडुपी में एक गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज द्वारा कक्षाओं में हिजाब पहनकर आने पर पाबंदी लगाये जाने के बाद इस मुद्दे ने तूल पकड़ ली थी। हम आपको बता दें कि राज्य में भाजपा की सरकार ने विवाद के तूल पकड़ने के बाद शैक्षणिक परिसरों के अंदर हिजाब पहन कर आने पर पिछले साल एक आदेश के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार ने कहा था कि समानता, अखंडता और कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी पोशाक को अनुमति नहीं दी जाएगी। विद्यार्थियों को प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों और स्कूलों के लिए निर्धारित पोशाक ही पहनने का निर्देश दिया गया था। राज्य में हिजाब पहनी कई छात्राओं को

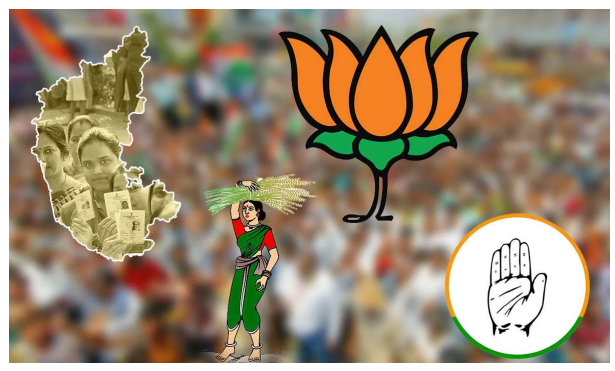

शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश करने देने से इनकार किये जाने के बाद यह आदेश जारी किया गया था। इस कदम के बाद देशभर में व्यापक स्तर पर प्रदर्शन हुए थे। कुछ मुस्लिम छात्राओं के अदालत का रुख करने के बाद कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सरकार के आदेश को कायम रखा था। इसके बाद, फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई, जिसने अक्टूबर में एक विभाजित फैसला सुनाया। कि जब यह विवाद उत्पन्न हुआ था उस वक्त वह उडुपी गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज फॉर वुमन की विकास समिति के उपाध्यक्ष थे। मौजूदा विधायक रघुपति भट की जगह इस सीट से पार्टी ने सुवर्णा को टिकट दिया है, जो मोगावीरा (मछुआरा समुदाय) के नेता हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर उनकी मजबूत पकड़ है। हालांकि, हिजाब मुद्दे को चुनाव प्रचार के दौरान जोरशोर से नहीं उठाया जा रहा है और भाजपा विषय की सुनवाई आगे एक वृहद पीठ द्वारा की जाएगी। हिजाब विवाद के दौरान भाजपा के 'पोस्टर ब्वॉय' रहे यशपाल सुवर्णा अब उडुपी विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार हैं। हम आपको बता दें विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। यदि कोई पार्टी गुपचुप तरीके से हिजाब मुद्दे को चुनाव प्रचार का विषय बना रही है तो वह सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) है, जो प्रतिबंधित पीएफआई की राजनीतिक इकाई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि वे इस मुद्दे के असल लाभार्थी हैं, जिसके जरिये वे मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को उद्वेलित करना चाहते हैं। हम आपको बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिले में 13 सीट में 12 पर भाजपा को जीत मिली थी। दूसरी ओर किसानों की बात करें तो आपको बता दें कि भारत में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली किशमिश का उत्पादन उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा जिले में होता है, इसके बावजूद यहां के किसानों को विपणन संबंधी मूलभूत ढांचा नहीं होने के कारण इनके बेहतर दाम नहीं मिल रहे और वे चाहते हैं कि इस बार के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आने वाली सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करे। हम आपको बता दें कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद 2014 में बीजापुर का नाम बदलकर विजयपुरा कर दिया गया था। विजयपुरा जिले में बाबलेश्वर और विजयपुरा शहर सहित आठ विधानसभा क्षेत्र हैं। वर्तमान विधानसभा में यहां राजनीतिक प्रतिनिधित्व लगभग समान रूप से बंटा हुआ है। राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के इस क्षेत्र से तीन-तीन विधायक हैं जबकि जनता दल सेक्युलर (जद-एस) दो क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। कुछ साल पहले तक, इस कृषि प्रधान जिले के सूखाग्रस्त इलाके में किसानों की मुख्य समस्या सिंचाई थी, जो 2013 में कृष्णा बैराज से एक नहर निकाले जाने से दूर हो गई। उस समय बाबलेश्वर विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा कांग्रेस विधायक एम बी पाटिल जल संसाधन मंत्री थे। अब जिले की अधिकतर कृषि भूमि में पानी पहुंच गया है और पिछले कुछ साल में अंगूर की पैदावार और इसकी खेती के क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है लेकिन इसने विपणन की नई समस्या पैदा कर दी है। कई बार मांग किए जाने पर कुछ साल पहले विजयपुर शहर में किशमिश के लिए एक ऑनलाइन नीलामी मंडी खोली गई थी, लेकिन किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा क्योंकि एक ही भूखंड में उत्पादन के बावजूद एक खेप से दूसरी खेप में दरों में अत्यधिक अंतर था। दरअसल बिचौलियों को वस्तु एवं सेवा कर का भुगतान करना चाहिए, लेकिन वे किसानों से यह राशि ले रहे थे। इससे किसान हतोत्साहित हुए और महाराष्ट्र के सीमावर्ती क्षेत्रों में बिचौलियों के जरिए किशमिश बेचने पर मजबूर हैं। कर्नाटक अंगूर उत्पादक संघ के अध्यक्ष केएच मामदा रेड्डी ने बताया कि सिंचाई ने विजयपुरा जिले में अंगूर की खेती के क्षेत्र को 40,000 एकड़ से बढ़ाकर 75,000 एकड़ करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि विजयपुरा में सबसे अच्छी गुणवत्ता की किशमिश पैदा होती है, इसके बावजूद किसानों को बेहतर मूल्य नहीं मिल रहा। भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवार चुनाव प्रचार में लगे हैं, ऐसे में इस क्षेत्र के अंगूर उत्पादक किसान बाबलेश्वर विधानसभा क्षेत्र के इट्टांगीहल गांव में स्वीकृत खाद्य उद्यान पर अपनी उम्मीदें लगाए हुए हैं और मांग कर रहे हैं कि सत्ता में आने वाले नेता परियोजना को जल्द पूरा करना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

फ़्लाइट बुक करने वाली कंपनी का कर्मी नोएडा में अपने मकान में मृत मिला

नोएडा। विमान के टिकट बुक करने वाली गुरुग्राम की एक कंपनी में काम करने वाला 34 वर्षीय एक व्यक्ति यहां अपने घर में मृत मिला। पुलिस ने मंगलवार को कहा। पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला है। पुलिस ने बताया कि यह व्यक्ति सेक्टर 20 थाना क्षेत्र के तहत आने वाले सेक्टर 25 के जलवायु विहार में रहता था और उसका शव सोमवार को उसके घर पर सड़ी-गली हालत में मिला। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि मृतक अविवाहित था जो गुरुग्राम स्थित कंपनी में काम करता था पुलिस के अनुसार, मृतक के माता-पिता ने बताया कि वह 10 साल पहले अमेरिका में रहता था, जहां उसे नशीले पदार्थों की लत लग गई थी, जिसके कारण उसे भारत लाया गया था, लेकिन उसकी यह लत नहीं छूटी।

इजराइल के विदेश मंत्री अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगे

यरूशलम। इजराइल के विदेश मंत्री अली कोहेन अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगे। उनकी इस यात्रा को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की इस साल के अंत में होने वाली नयी दिल्ली की यात्रा से पहले तैयारियों से जुड़ी माना जा रहा है। कोहेन 9 से 11 मई तक तीन दिन की भारत यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से बातचीत करेंगे। वह एक दिन मुंबई का दौरा भी करेंगे। यह तीन महीने से कम समय में इजराइल के किसी वरिष्ठ अधिकारी की तीसरी उच्चस्तरीय यात्रा है।

उच्च न्यायालय ने सिसोदिया की अंतरिम जमानत पर सीबीआई से रिपोर्ट मांगी

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पत्नी की बीमारी के आधार पर अंतरिम जमानत का अनुरोध करने वाली, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की याचिका पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया गया है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने सीबीआई से बृहस्पतिवार को रिपोर्ट पेश करने को कहा है। इसी दिन अदालत में सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर भी सुनवाई होनी है। सिसोदिया के वकील ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता की पत्नी की चिकित्सकीय स्थिति पर तत्काल ध्यान दिए जाने की जरूरत है। साथ ही वकील ने अदालत से उन्हें अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया। सीबीआई के वकील ने कहा कि बृहस्पतिवार को रिपोर्ट पेश करना संभव नहीं होगा। इसपर अदालत ने सीबीआई के वकील से कोशिश करने और बृहस्पतिवार तक रिपोर्ट पेश करने को कहा ताकि अर्जी पर नियमित जमानत याचिका के साथ ही सुनवाई की जा सके।

किसी को पहनाई जाती है बछड़े की खाल वाली हेडबैंड

कोई करता है शेर का शिकार, दुनियाभर में कैसे होती है राजाओं की ताजपोशी?

वाशिंगटन। बस तीन दिनों का इंतजार और इसके बाद किंग चार्ल्स आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के राजा बन जाएंगे। चार्ल्स के राजतिलक की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। ये समारोह कितना खास और शानदार होगा इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि इसके आयोजन पर एक हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान जताया जा रहा है। 'कोरोनेशन' शब्द लैटिन शब्द कोरोना से लिया गया है जिसका अर्थ 'ताज' होता है। किंग चार्ल्स छ्छ के राज्याभिषेक के साथ ही, आइए दुनिया भर के कुछ राजतंत्रों पर एक नज़र डालें और वे एक नए राजा या रानी की ताजपोशी कैसे की जाती है ये भी जानते हैं।

जापान के सम्राट नारुहितोः 126वें सम्राट बन कर नारुहितो 2019 में औपचारिक रूप से एक प्राचीन समारोह में जापान के राजसिंहासन पर बैठे। टोक्यो में शाही महल के अंदर पारंपरिक अनुष्ठानों की एक श्रृंखला ने उनके स्वर्गारोहण को औपचारिक बना दिया। इंपीरियल पैलेस में आयोजित पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच नारोहितो की ताजपोशी हुई और उन्हें जापान के शाही खजाने की चाबी सौंपी गई। जापान में जब कोई राजा अपनी गद्दी छोड़ते हैं तो एक युग का अंत हो जाता है और नए राजा के बनने के साथ ही एक नया युग शुरू

होता है। ये दुनिया में अकेला ऐसा राजघराना है जो पिछले 2600 साल से लगातार जापान पर शासन करता आ रहा है। जापान के सम्राट को भगवान समझा जाता था।

क्या है गोल्डन स्टूल की कहानीः असांटेहेन को असांटे किंगडम का आध्यात्मिक प्रमुख माना जाता है। इसे 17 वीं शताब्दी के अंत में स्थापित किया गया था। अपने चरम पर ये साम्राज्य वर्तमान घाना से बड़े क्षेत्र तक फैला हुआ था। उनकी संस्कृति में गोल्डन स्टूल, जिसे सिका दवा कोफी के नाम से जाना जाता है, सबसे पवित्र वस्तु कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि स्टूल असांटे लोगों की 'आत्मा' का प्रतिनिधित्व करता है और इसके महत्व को देखते हुए किसी को भी, यहां तक ??कि राजा को भी इस पर बैठने की अनुमति नहीं है। राज्याभिषेक के दौरान नई असांथेनी को बिना स्टूल के ऊपर उठाया और उतारा जाता है।

सभी मुकुट कीमती पत्थरों से नहीं बने होते हैंः सिर पर पहनाया जाने वाला ताज यकीनन राज्याभिषेक के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है, लेकिन इसे हीरे, माणिक या नीलम से जड़ित करने की आवश्यकता नहीं है। लेसोथो में दो पारंपरिक प्रमुख नए सम्राट के सिर पर बछड़े की खाल का हेडबैंड और पंख लगाते हैं। एक तस्वीर को 1997 में मसेरू की राजधानी शहर में लेत्सी छ्छ की ताजपोशी के दौरान कैमरे में कैद किया गया था। उस वक्त समारोह में राजा चार्ल्स और नेल्सन मंडेला ने भाग लिया था, जो उस समय दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति थे।

पारंपरिक पोशाक में राजा मिसुज़ुलु ज़ुलुः पारंपरिक ज़ुलु परंपरा में संप्रभु अपने पूर्वजों के समर्थन के लिए एक पवित्र मवेशी बाड़े में प्रवेश करता है और एक शेर की खाल पहनता है। राजा मिसुज़ुलु ज़ुलु काज़्वेलिथिनी ने 2022 में अपने राज्याभिषेक समारोह में तेंदुए के प्रिंट और पंख पहने थे। समारोह में भाले और ढाल के साथ जानवरों की खाल पहने बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। राजा ने रिजर्व में एक शेर का शिकार किया था, जो राज्याभिषेक से पहले की प्रथा है। ज़ुलु कबीले के राजा के पास कार्यकारी शक्ति नहीं है लेकिन राजा का 11 मिलियन से अधिक ज़ुलु लोगों पर प्रभाव है। यह दक्षिण अफ्रीका की कुल आबादी का लगभग पांचवां हिस्सा है।

बौद्ध समारोहों में जल चढ़ाया जाता हैः बीबीसी के अनुसार, थाईलैंड के राज्याभिषेक समारोह के अनुष्ठानों में से एक में नए सम्राट को शुद्ध करने और उनका अभिषेक करने के लिए पानी डाला जाता है। कहा जाता है कि पानी 11:52 (स्थानीय समय) और 12:38 (स्थानीय समय) के बीच देश भर में 100 स्रोतों से एकत्र किया जाता है, जो थाई ज्योतिष में एक विशेष समय है और फिर बौद्ध समारोहों में आशीर्वाद दिया जाता है।

बीजेपी ने कर्नाटक के इंजन को पटरी से उतारा, 10 मई को इसे गति मिलेगी : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार से जुड़ी चुनावी मुहिम को लेकर बुधवार को उस पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी ने प्रदेश के इंजन को

पिछले 4 वर्षों में पटरी से उतार दिया है जिसे जनता आगामी 10 मई को गति देने जा रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, डबल इंजन क्या है? कर्नाटक राज्य सरकार का 94 प्रतिशत राजस्व प्रदेश के खुद के राजस्व और केंद्र से कर में उसकी हिस्सेदारी से आता है। यह मोदी के आशीर्वाद से नहीं, बल्कि वित्त आयोग के फार्मूले से होता है। उन्होंने दावा किया, आगामी 10 मई को कर्नाटक के इंजन को गति मिलेगी जिसे भाजपा ने पिछले 4 वर्षों में पटरी से उतार दिया है। यह सामाजिक सद्भाव के मिश्रण वाला विकास का इंजन होगा। यह 40 प्रतिशत कमीशन वाला इंजन नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य शीर्ष नेता कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार में लगातार 'डबल इंजन सरकार' की बात कर रहे हैं और जनता से समर्थन मांग रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा की सभी 224 सीटों के लिए आगामी 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को मतगणना होगी।

कोविड अस्पताल का शेयर किया था वीडियो, तीन साल बाद जेल से रिहा हुए फेंग बिन

बीजिंग। चीन ने एक ऐसे इंसान को जेल से रिहा कर दिया जो तीन साल पहले कोरोना महामारी में भीड़भाड़ वाले अस्पतालों और शवों के वीडियो सार्वजनिक करने के बाद

गायब हो गया था। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के व्हिसलब्लोअर फैंग बिन को तीन साल बाद जेल से रिहा कर दिया गया है। नागरिक पत्रकार को कोविड महामारी के उपकेंद्र वुहान में दृश्यों के वीडियो साझा करने के बाद जेल भेज दिया गया था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वह फरवरी 2020 में लापता हो गया था और उसे वुहान में एक गुप्त मुकदमे में तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

अब तीन साल बाद उसे रिहा कर दिया गया और उसका स्वास्थ्य अच्छा है। जिस वीडियो के परिणामस्वरूप उनकी गिरफ्तारी हुई, उसमें केवल पांच मिनट में एक कोविड अस्पताल के बाहर आठ बॉडी बैग दिखाई दिए। उन्हें हिरासत में लिया गया था लेकिन बाद में रिहा कर दिया गया। बाद में उनके संदेश के साथ एक वीडियो सामने आया। सभी लोग विद्रोह करें और सरकार लोगों को ताकत सौंप दे। वह उनका आखिरी वीडियो था जिसे उन्होंने शेयर किया था।

एक अन्य व्हिसलब्लोअर और पूर्व वकील झांग झान को मई 2020 में हिरासत में लिया गया था और दिसंबर 2020 में चार साल के लिए जेल में डाल दिया गया था। कार्यकर्ताओं के अनुसार उन्हें झगड़ा लगाने और परेशानी भड़काने के लिए दोषी ठहराया गया था। झांग ने एक साक्षात्कार में कहा था कि शायद मेरे पास एक विद्रोही आत्मा है ... मैं सिर्फ सच्चाई का दस्तावेजीकरण कर रहा हूं। मैं सच क्यों नहीं दिखा सकता?

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत

अमेठी। अमेठी जिले के जगदीशपुर क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात एक विवाह समारोह में शिरकत करने जा रहे तीन मोटरसाइकिल युवकों को जगदीशपुर थाना क्षेत्र के पालपुर गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी दी। पुलिस के अनुसार इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार नारायण (40) और श्यामू (35) की मौके पर ही मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में रामबरन नामक एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शरद पवार के इस्तीफे पर बोले संजय राउत, हमारी भूमिका वेट एंड वॉच की है

मुम्बई। एनसीपी अध्यक्ष पद से शरद पवार के इस्तीफे से ऐलान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गर्म हो गई है। पूरे मामले को लेकर राजनीति प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। एनसीपी के समर्थक लगातार शरद पवार से इस्तीफा वापस लेने की मांग कर रहे हैं। इन सब के बीच उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि शरद पवार का इस्तीफा देश की राजनीति के लिए बड़ा झटका है। लेकिन अगर उन्होंने ऐसा फैसला लिया तो निश्चित रूप से महाराष्ट्र और देश में खलबली मच जाएगी। हम तय करेंगे कि आने वाले दिनों में क्या होगा। पूरे घटनाक्रम पर हमारी नजर है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारी भूमिका वेट एंड वॉच की है।

फिलहाल शरद पवार के इस्तीफे को लेकर एनसीपी में मंथन जारी है। अजित पवार ने कहा था कि शरद पवार अपने फैसले पर विचार करने के लिए दो से तीन दिन लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि हमने शरद पवार साहब को बताया कि आपके इस्तीफा देने से

कार्यकर्ता बहुत नाराज हैं। आप अध्यक्ष रहें, आपके साथ-साथ आप किसी को कार्याध्यक्ष बना सकते हैं। आप कार्याध्यक्ष को आशीर्वाद दीजिए। उन्होंने कहा है कि सभी कार्यकर्ता अपने-अपने घर जाएं। उन्हें इस्तीफा वापिस लेने पर सोचने के लिए 2-3 दिन का वक्त चाहिएशरद पवार द्वारा एनसीपी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने पर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि इससे महाविकास अघाड़ी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। दावा किया जाता है कि महाविकास अघाड़ी के निर्माण में शरद पवार की अहम भूमिका थी।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि यह शरद पवार का व्यक्तिगत और एनसीपी का आंतरिक मामला है। इस बात पर अभी कुछ बोलना जल्दी होगा। मुझे लगता है कि अभी हमें राह देखनी चाहिए और उसके बाद ही हम कुछ बोलेंगे। महाराष्ट्र कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण ने कहा था कि शरद पवार साहब का इस्तीफा एक आश्चर्यजनक बात है। ऐसे समय में जब सभी पार्टी भाजपा के खिलाफ एकजुट हुई हैं, ऐसे समय में उनके इस्तीफे से एक अनुभवी नेतृत्व की कमी खलेगी। उनके जितने भी साथी हैं, जो कमेटी बनी है वो विचार करे और शरद पवार साहब को मना ले, यही हम अपेक्षा करते हैं।

'गलती से चार्जशीट में आया संजय सिंह का नाम'

आम आदमी पार्टी सांसद के दावे पर केजरीवाल ने किया यह ट्वीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि शराब का पूरा मामला फर्जी है, जो साबित हो गया क्योंकि चार्जशीट में आप सांसद संजय सिंह का नाम 'गलती से' आ गया। उन्होंने इसको लेकर एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में केजरीवाल ने लिखा कि क्या किसी का नाम चार्जशीट में गलती से भी डाला जाता है? उन्होंने कहा कि इस से साफ़ है कि पूरा केस फ़र्ज़ी है। केवल गंदी राजनीति के तहत देश की सबसे ईमानदार पार्टी को बदनाम करने और सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली पार्टी को रोकने के लिए प्रधान मंत्री जी ऐसा कर रहे हैं। उन्हें ये शोभा नहीं देता। केजरीवाल ने संजय सिंह के इस दावे के बाद ट्वीट किया कि ईडी ने उन्हें एक पत्र लिखकर सूचित किया था कि उनका नाम गलती से रखा गया था।

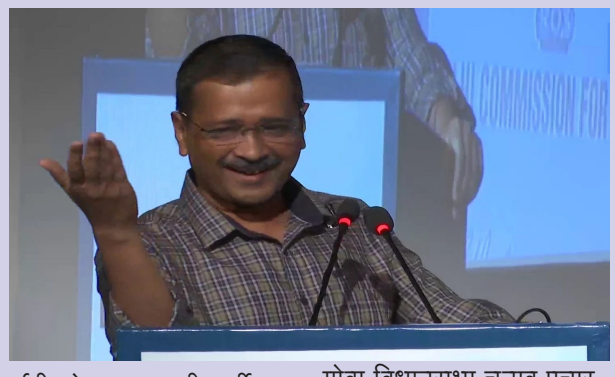

संजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि ‍ के झूठ का पर्दाफ़ाश करेंगे। अग्रिम कार्यवाही के लिये भारत सरकार के वित्त सचिव को मेरा पत्र। उन्होंने पत्र भी ट्वीट किया किया है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय

(ईडी) ने आम आदमी पार्टी (आप) पर 'दक्षिण समूह' की शराब लॉबी से कथित तौर पर मिली 100 करोड़ रुपये की दलाली का इस्तेमाल 2022 के गोवा विधानसभा चुनाव प्रचार में करने का आरोप लगाया है। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी की ओर से दायर पूरक आरोप-पत्र में ये आरोप लगाये गये हैं। इसने अभियोजन शिकायत में एक मीडिया प्रचार कंपनी, चैरियट प्रोडक्शंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसके मालिक-प्रवर्तक राजेश जोशी को आरोपी बनाया है।

जांच एजेंसी ने कहा है, ''चैरियट प्रोडक्शंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड न केवल बैंकिंग चैनल के माध्यम से भुगतान करने में शामिल है, बल्कि हवाला नेटवर्क के माध्यम से नकद भुगतान करने में भी... और इन भुगतान की वास्तविक लाभार्थी आप है, क्योंकि इन भुगतानों का उपयोग वर्ष 2022 में गोवा चुनाव के खर्च को पूरा करने के लिए किया गया था। इसमें कहा गया है, ''पिछले साल इस मामले में धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत शुरू की गई धनशोधन की जांच में पाया गया कि 30 करोड़ रुपये की आपराधिक कमाई का एक हिस्सा हवाला नेटवर्क के माध्यम से गोवा चुनाव प्रचार में आप के विज्ञापन के लिए वेंडर को भुगतान के लिए स्थानांतरित किया गया था।''

त्रिशूर में एंबुलेंस पलटने से एक मरीज सहित तीन लोगों की मौत

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले के पंथालूर में बुधवार को एक एंबुलेंस के पेड़ से टकरा कर पलटने से एक मरीज सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। कुन्नामकुलम पुलिस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि फेमिना (20) नामक युवती को सांस लेने में तकलीफ के कारण एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में चालक का एंबुलेंस पर से नियंत्रण खो गया और वाहन पेड़ से टकरा गया। पुलिस के अनुसार इस घटना में युवती के साथ ही उसके पति आबिद (35) तथा रिश्तेदार रहमत (48) की भी मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, '' प्रारंभिक जांच के अनुसार एंबुलेंस के तेज गति से चलने के कारण यह दुर्घटना हुई।

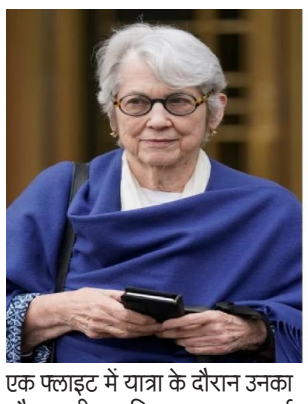

डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लाइट में किया यौन उत्पीड़न यूएस कोर्ट में पीड़ित महिला ने दी गवाही

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक महिला ने न्यूयॉर्क सिविल ट्रायल में बताया कि 1970 के दशक के अंत में उन्होंने

एक फ्लाइट में यात्रा के दौरान उनका यौन उत्पीड़न किया था। 81 वर्ष की जेसिका लीड्सने लेखक ई जीन कैरोल के बलात्कार और ट्रम्प के खिलाफ मानहानि के मुकदमे में गवाही देते हुए बयान दिया। लीड्स ने अदालत को बताया कि ट्रम्प ने न्यूयॉर्क जाने वाली एक उड़ान के बिजनेस क्लास सेक्शन में मेरी स्कर्ट पर हाथ रखा। लीड्स ने कहा कि उस यात्रा के पहले ट्रंप से उनकी कोई बातचीत नहीं हुई थी। ये अचानक हुआ था। उन्होंने कहा कि इस दौरान ट्रंप ने उनके साथ अश्लील हरकत की। लीड्स के अनुसार, वह 38 वर्ष की थी जब वह उसी विमान से यात्रा कर रही थी जिसमें ट्रम्प थे। उसने द टाइम्स को बताया कि वह कोच में बैठी थी लेकिन एक फ्लाइट अटेंडेंट ने उसे प्रथम श्रेणी में एक खाली सीट लेने के लिए आमंत्रित किया। ये ट्रंप के बगल में बिजनेस क्लास की सीट थी। ट्रंप ने अपना परिचय दिया और उनसे हाथ मिलाया और उन्होंने एक-दूसरे का अभिवादन किया। ट्रम्प ने तब लीड्स से पूछा कि क्या वह शादीशुदा है और उसने उन्हें बताया कि वह तलाकशुदा है। लीड्स ने कहा कि ट्रम्प ने उनके बीच आर्मरेस्ट उठाया, उनकी ओर बढ़े और उन्हें टटोलने लगे। वह पीछे हट गई और जल्दी से प्रथम श्रेणी के केबिन को छोड़कर कोच में लौट आई। ट्रम्प ने हमेशा यौन उत्पीड़न के सभी आरोपों का खंडन किया है और ऐसे किसी भी दावे पर कभी भी आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया गया है। लीड्स को कैरोल के वकीलों द्वारा गवाही देने के लिए बुलाया गया था ताकि नौ-व्यक्ति जूरी को मनाने की कोशिश की जा सके कि ट्रम्प यौन दुराचार के पैटर्न में लिप्त हैं।

सेरिया में किशोर ने स्कूल में की गोलीबारी, कई लोग घायल

बेलग्रेड। सर्बिया में एक किशोर ने राजधानी बेलग्रेड के एक स्कूल में बुधवार सुबह गोलीबारी की, जिससे कई लोग घायल हो गए। सर्बिया पुलिस ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, पुलिस को सुबह आठ बजकर 40 मिनट के आसपास व्लादिस्लाव रिबनिकार प्राइमरी स्कूल में गोलीबारी की सूचना मिली। बयान के अनुसार, संदिग्ध किशोर सातवीं कक्षा का छात्र है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। बयान में कहा गया है कि संदिग्ध ने अपने पिता की बंदूक से अन्य छात्रों और स्कूल के गार्ड पर कई गोलियां बरसाईं। सर्बियाई मीडिया में प्रसारित खबरों के मुताबिक, गोलीबारी में स्कूल के गार्ड की मौत हो गई। पुलिस ने इस घटना के संबंध में फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी है।

साइबर अपराधियों के गिरोह का भंडाफोड़

12वीं पास मास्टरमाइंड रोज पांच करोड़ रुपये कमाता था

मुंबई। मुंबई पुलिस ने पुलिस अधिकारी बन देशभर के लोगों से ठगी करने वाले साइबर अपराधियों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुंबई पुलिस ने इस गिरोह के सरगना श्रीनिवास राव डाडी (49) को भी गिरफ्तार कर लिया है, जो 12वीं पास है और अपने खाते से रोजाना पांच करोड़ रुपये से अधिक रकम का लेन-देन करता था। अधिकारी के मुताबिक, श्रीनिवास 12वीं कक्षा तक ही पढ़ा होने के बावजूद तकनीक का गहरा ज्ञान रखता है। उन्होंने बताया कि बांगुर नगर पुलिस की एक टीम ने श्रीनिवास को हैदराबाद के एक आलीशान होटल से हिरासत में लिया।

अधिकारी के अनुसार, श्रीनिवास के साथ पुलिस ने उसके गिरोह के चार और सदस्यों को गिरफ्तार किया, जिनमें से दो पड़ोसी शहर ठाणे और दो अन्य कोलकाता के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि श्रीनिवास रियल एस्टेट कारोबार चलाने की आड़ में काम

करता था और सिर्फ टेलीग्राम ऐप के जरिये संवाद करता था। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस ने अभी तक श्रीनिवास के 40 बैंक खाते फ्रीज किए हैं और उसके पास से डेढ़ करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। साइबर अपराधियों के कामकाज के तौर तरीकों के बारे में अधिकारी ने कहा कि श्रीनिवास और उसके साथी पुलिसकर्मी बनकर लोगों, अधिकतर महिलाओं को कॉल करते थे और उनसे कहते थे कि अधिकारियों को उनके नाम से भेजे गए कूरियर में हथियार या मादक पदार्थ मिले हैं।

अधिकारी के अनुसार, इसके बाद वे लोगों से यह कहते हुए उनके बैंक खाते या आयकर संबंधी विवरण मांगते थे कि ये डेटा इस बात की पुष्टि करने के लिए जरूरी है कि उक्त कूरियर उनके द्वारा नहीं भेजा गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन-11) अजय कुमार बंसल ने कहा कि ज्यादातर लोग फोन कॉल से डर जाते थे और अपने बैंक खाते या आयकर से संबंधित विवरण साझा कर देते थे। उन्होंने बताया कि पीड़ित वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) भी साझा कर देते थे और कछ मामलों में तो एनीडेस्क जैसे ऐप डाउनलोड करके जालसाजों को अपने फोन तक पहुंच भी प्रदान कर देते थे।

बंसल के मुताबिक, अहम जानकारियां जुटाने के बाद जालसाल पीड़ित के बैंक खाते से जमा रकम उड़ा लेते थे। उन्होंने बताया कि श्रीनिवास और उसके गिरोह ने इस हथकंडे का इस्तेमाल कर देशभर में हजारों लोगों के साथ ठगी की। बंसल के अनुसार, गिरोह द्वारा उड़ाई गई सारी रकम श्रीनिवास के खाते में जाती थी। उन्होंने बताया कि श्रीनिवास के खाते से रोजाना पांच से दस करोड़ रुपये का लेन-देन होता था। बंसल के मुताबिक, श्रीनिवास ठगी की रकम को क्रिप्टो मुद्रा में तब्दील कर एक चीनी नागरिक के पास स्थानांतरित कर देता था। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए मुंबई पुलिस की टीमें दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, झारखंड, हरियाणा और महाराष्ट्र के अन्य शहरों में है। बंसल ने कहा कि मामले में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

रामायण की तरह कलर्स पर फिर लौटा मशहूर शो बालिका वधू

मुम्बई। टीवी के नये शोज की शूटिंग तो नहीं हो रही है इस लिए चैनल के पास ज्यादा कुछ है ही नहीं दिखाने के लिए इस लिए अब प्राइवेट चैनल भी दूरदर्शन की राह पर लौट रहे हैं। जिस तरह दूरदर्शन ने लॉकडाउन में रामायण, महाभारत सहित तममा पुराने धारावाहिकों का रिपीट टेलीकास्ट करके टीआरपी में छा गया। अद दूरदर्शन की राह पर कलर्स चैनल भी चल रहा है। टीवी का

मोस्ट पॉपुलर शो बालिका वधू की एक बार फिर से टीवी पर वापसी हुई है। इस शो को के लिए आप ये भी कह सकते हैं कि ये कलर्स का आइकॉनिक सीरियल था। लोगों चैनल को शौ के नाम से जानते थे। कलर्स की प्रबंधन टीम ने बालिका वधू को सोमवार से शाम 6 बजे से शुरू कर दिया दिया गया है। शो की कास्ट ने सोशल मीडिया पर शो को रिपीट टेलीकास्ट करने पर अपनी खुशी जाहिर की। क्राइम पेट्रोल फैम अनूप सोनी ने सोशल मीडिया पर कुछ पुरानी तस्वीर शेयर करके चैनल को धन्यवाद दिया है। उन्होंने बालिका वधू शो से जुड़ी कई तस्वीरें साझा कर लिखा- बालिका वधू ने कलर्स पर कमबैक कर लिया है. देखें सोमवार से शुक्रवार शाम 6 बजे। आपको बता दें बालिका वधू एक भारतीय हिन्दी धारावाहिक है, जिसका प्रसारण कलर्स पर 21 जुलाई 2008 से 31 जुलाई 2016 तक होता था। पहला सीजन आनंदी और जगदीश पर केंद्रित था, जो बचपन में विवाहित थे।

जब गोविंदा के पिता ने किया था उन्हें गोद लेने से इंकार!

मुम्बई। बॉलीवुड में गोविन्दा का नाम एक ऐसे अभिनेता के तौर पर शुमार किया जाता है जिन्होंने अपनी डांसिग स्टाइल और कॉमेडी अभिनय से दर्शको के दिलों मे खास पहचान बनाई। 21 दिसंबर 1963 में जन्में गोविन्दा फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते थे।

एक इंटरव्यू में गोविंदा ने कहा, 'जब मैं गर्भ में था तो मां (निर्मला देवी) साध्वी बन गई थी। वह पापा के साथ ही रहती थी, लेकिन बिल्कुल साध्वी की तरह। कुछ महीनों बाद मेरा जन्म हुआ तो पापा ने मुझे गोद लेने से इंकार कर दिया। दरअसल, उन्हें ऐसा लग रहा था कि मेरे कारण मां उनसे अलग होकर साध्वी बनी है। कुछ समय बाद जब लोगों ने उन्हें मेरे बारे में कहा कि कितना खूबसूरत बच्चा है, कितना अच्छा लड़का है, तब उन्होंने मुझे प्यार करना शुरू किया।'गोविंदा के पिता अरूण आहूजा और मां निर्मला देवी फिल्मों में काम करते थे। बचपन के दिनों से हीं गोविन्दा भी अभिनेता बनने का ख्वाब देखा करते थे। गोविन्दा ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1986 में प्रदर्शित फिल्म 'इल्जाम' से की। इस फिल्म में उनपर फिल्माया यह गीत स्ट्रीट डांसर काफी लोकप्रिय हुआ। इस फिल्म की सफलता के बाद गोविन्दा की छवि एक डांसिग स्टार के रूप में बन गयी और फिल्मकारों ने उनकी इसी छवि को अपनी फिल्मों में जमकर भुनाया। इल्जाम में गोविन्दा की जोड़ी नीलम के साथ काफी पसंद की गयी। इस फिल्म के बाद नीलम और गोविन्दा ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया। इन फिल्मों में लव 86,खुद्दगर्ज,हत्या,सिंदूर,फर्ज की जंग,ताकतवर और दो कैदी शामिल है। गोविन्दा के सिने सफर में उनकी जोड़ी डेविड धवन के साथ काफी पसंद की गई। वर्ष 1989 में गोविन्दा ने निर्देशक डेविड धवन के साथ पहली बार ताकतवर में काम किया। इस फिल्म को टिकट खिड़की पर औसत सफलता प्राप्त हुयी लेकिन इस फिल्म के बाद डेविड धवन और गोविंदा की जोड़ी बन गयी और दोनों ने कई फिल्मों में एक साथ काम कर दर्शकों का मनोरंजन किया। वर्ष 1993 में प्रदर्शित फिल्म आंखे गोविन्दा के सिने करियर की सर्वाधिक कामयाब फिल्म में शुमार की जाती है। इस फिल्म में एक बार फिर गोविन्दा ने अपने पसंदीदा निर्देशक डेविड धवन के साथ काम किया। हास्य से परिपूर्ण इस फिल्म में गोविंदा ने दोहरी भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

यह फिल्म भारतीय सिनेमा जगत के इतिहास में ब्लॉक बस्टर फिल्मों में शुमार की जाती है।आंखे की ब्लॉक बस्टर सफलता के बाद गोविन्दा-डेविड की जोड़ी ने एक से बढ़कर एक फिल्म बनाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इन फिल्मों में कुली नंबर वन, हीरो नंबर वन, साजन चले ससुराल, बड़े मियां छोटे मियां, राजा बाबू, दीवाना मस्ताना, दुल्हे राजा, हसीना मान जायेगी, जोड़ी नंबर वन और पार्टनर आदि शामिल है। 2000 के दशक मे गोविन्दा की फिल्मों को अपेक्षित सफलता नही मिल सकी। वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म शिकारी में गोविन्दा ने अपने सिने करियर का पहला नेगेटिव किरदार निभाया जिसके लिये उन्हें सर्वश्रेष्ठ खलनायक का फिल्म फेयर पुरस्कार भी दिया गया। गोविन्दा के सिने करियर में उनकी जोड़ी अभिनेत्री करिश्मा कपूर के साथ काफी पसंद की गयी। उनकी जोड़ी सबसे पहले वर्ष 1993 में प्रदर्शित फिल्म मुकाबला में एक साथ पसंद की गयी। बाद में उनकी जोड़ी को फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में रिपीट किया। इन फिल्मों में राजा बाबू, दुलारा, खुद्दार, कुली नंबर वन, साजन चले ससुराल, हीरो नंबर वन, हसीना मान जायेगी, शिकारी जैसी फिल्में शामिल है। करिश्मा कपूर के अलावा गोविन्दा की जोड़ी किमी काटकर, रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी के साथ भी काफी पसंद की गयी। फिल्मों में कई भूमिकाएं निभाने के बाद गोविन्दा ने समाज सेवा के लिए राजनीति में प्रवेश किया और वर्ष 2004 में क्रांगेस पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर लोकसभा के सदस्य बने। वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्म पार्टनर की सफलता के बाद गोविन्दा एक बार फिर से अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गये। गोविन्दा ने अपने तीन दशक के करियर में लगभग 120 फिल्मों में काम किया है। उनके करियर की उल्लेखनीय फिल्मों में कुछ है लव 86, जीते है शान से हत्या, घर घर की कहानी, जंगबाज, जैसी करनी वैसी भरनी, घराना, हम, भाभी, गैंबलर, भागमभाम आदि। गोविन्दा की वर्ष 2014 में होली डे, किल दिल और हैपी एंडिंग प्रदर्शित हुई है।

यश चोपड़ा को बिना बताए फिल्म 'त्रिशूल' से हटा दिया गया था पामेला चोपड़ा का गाना

मुम्बई।दिवंगत फिल्म निर्माता यश चोपड़ा की पत्नी पामेला चोपड़ा का 20 अप्रैल की सुबह निधन हो गया है। पामेला ने 74 वर्ष की उम्र में मुंबई के एक अस्पताल में आखिरी सांस ली। वह काफी लंबे समय से बीमार चल रही थीं, जिसके चलते 15 दिनों से अस्पताल में भर्ती थी। पामेला, यश चोपड़ा की पत्नी होने के साथ-साथ बॉलीवुड की एक मशहूर गायिका भी थी। उन्होंने 70 से लेकर 90 तक के दशक में कई फिल्मी गाने गाए। आज हम पामेला की जिंदगी के जुड़ा वो किस्सा सुनाने जा रहे हैं, जब यश चोपड़ा के बैनर तले

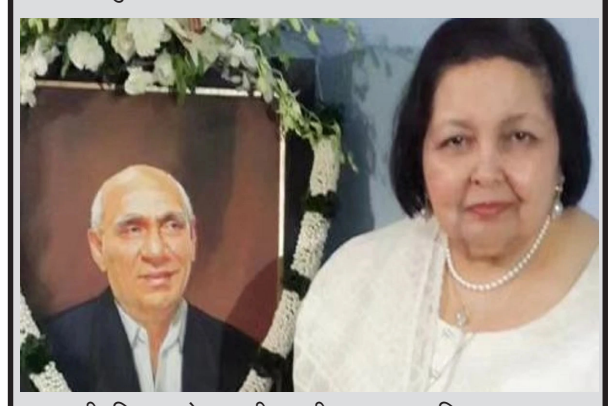

बन रही फिल्म से उनकी पत्नी का गाना बिना बताए हटा दिया गया था। आज जो किस्सा हम आपको बताने जा रहे हैं वह फिल्म 'त्रिशूल' के निर्माण के दौरान का है। 'त्रिशूल' 1978 में रिलीज हुई फिल्म है, जिसकी कहानी बी-टाउन की सुपरहिट जोड़ी सलीम-जावेद द्वारा लिखी गयी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सलीम-जावेद जब त्रिशूल की स्क्रिप्ट तैयार कर रहे थे उस दौरान पामेला इसमें काफी हस्तक्षेप किया करती थीं। पामेला को फिल्म के कई सीन पर आपत्ति थी। इसलिए उन्होंने सलीम-जावेद से इन्हें फिर से लिखने के लिए कहा था। रिपोर्ट्स के अनुसार, पामेला की आपत्ति की वजह से सलीम-जावेद को कई दृश्यों को फिर से लिखना पड़ा, जिसकी वजह से फिल्म की शूटिंग पूरी होने में 40 दिन का ज्यादा समय लगा।

सलीम-जावेद को अपने हिसाब से काम करने की आदत थी। बावजूद इसके दोनों ने पामेला द्वारा सुझाए गए सभी बदलावों को बिना कोई आपत्ति जताए मान लिया। हालाँकि दोनों लेखकों के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों लेखकों ने एडिटर बी. मंगेशकर के साथ मिलकर फिल्म में से पामेला द्वारा गाया हुआ एक गाना हटा दिया। पत्नी पामेला के गाने के बिना त्रिशूल का फाइनल कट देखकर डायरेक्टर यश काफी हैरान रह गए। उन्होंने एडिटर से इसके पीछे का कारण पूछा, जिसके जवाब में कहा गया कि इस गाने की वजह से फिल्म लंबी हो जाएगी। पामेला द्वारा गाये गए इस गाने के बोल और टाइटल के बारे में किसी को कुछ नहीं पता है। हालाँकि, त्रिशूल में पामेला द्वारा गाया गया एक अन्य गाना 'जा री बहना जा' शामिल किया गया था।

टाइगर श्रॉफ इसे मानते हैं अपना गुरु

मुम्बई। बॉलीवुड के नवोदित अभिनेता टाइगर श्रॉफ की आगामी फिल्म बागी के ट्रेलर ने तो धूम मचा दी है। टाइगर श्रॉफ के एक्शन और कमाल के मूव ने फिल्म को अलग ही दिशा दी है। आखिर ऐसा हुआ कैसे? फिल्म के साथ नाम जुड़ा है ग्रैंड मास्टर शीफूजी शौर्य भारद्वाज का, जो टाइगर श्रॉफ के ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन दोनों में गुरु हैं। ग्रैंड मास्टर शीफूजी शौर्य भारद्वाज किसी पहचान के मोहताज नही हैं। 2008 से विश्व के बेस्ट कमांडो ट्रेनर का खिताब भी ग्रांड मास्टर शीफूजी शौर्य भारद्वाज के पास है। वह इंडियन आर्मी के सलाहकार और ब्लैक केट कमांडो, ईरानी कमांडो को ट्रेनिंग भी देते हैं। दर्जनभर से ज्यादा सेल्फ डिफेंस टेकनिक को इजाद करने वाले ग्रैंड मास्टर शीफूजी शौर्य भारद्वाज को मिशन प्रहार, मिशन मेरी मिट्टी, शत्रु विनाशक कीलिंग स्किल के लिए जाना जाता है। ग्रैंड मास्टर बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड में भी जाना पहचाना नाम है। बॉलीवुड का शायद ही कोई स्टंट डायरेक्टर या एक्शन फिल्म मेकर हो जो ग्रैंड मास्टर शीफूजी को न जानता हो। लगभग सारे एक्शन हीरो उनके साथ अपनी फोटो खिंचवाना शान की बात मानते हैं। हर कोई ग्रांड मास्टर शीफूजी जैसा फिट, एनर्जेटिक और एनथुजियास्टिक दिखना चाहता है।ऐसे में ग्रैंड मास्टर शीफूजी के बागी से जुडने पर पूरे बी टॉउन में खलबली मची है और खलबली मचना तो लाजमी है, क्योंकि बागी के ट्रेलर ने बता दिया है कि इस फिल्म का एक्शन कुछ अलग टाइप का होगा। इसमें बड़ी-बड़ी बंदूकें, तलवार या अन्य हथियार न होकर केवल हाथ-पैर ही हथियार होंगे।

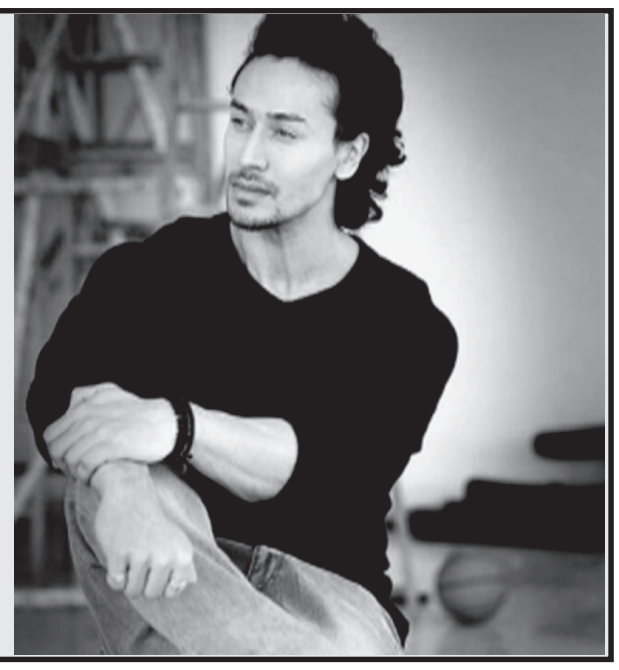

कभी ख़ुशी कभी ग़म का टीवी शो बना रही हैं एकता

मुम्बई। क्या! क्या! क्या! सुना आपने टेलीविज़न क्वीन एकता कपूर छोटे पर्दे पर एक नया सीरियल लाने जा रही हैं। रिपोर्ट की मानें तो इस बार एकता के टीवी शो में काफ़ी कुछ अलग देखने को मिलेगा। ये सुनने के बाद कई लोगों के मन में ये ख़्याल आया होगा कि भला वो कैसे। तो बता दें कि ये टीवी शो करन जौहर की सुपरहिट फ़िल्म 'कभी ख़ुशी कभी ग़म' पर आधारित है। मीडिया में आ रही रिपोर्टों के अनुसार टीवी क्वीन एकता 'कभी ख़ुशी कभी ग़म' का टीवी वर्ज़न बनाने की तैयारी में जुटी हुई हैं। दरअसल, एकता अब अमिताभ, काजोल, शाहरूख़, ऋतिक रोशन, जया बच्चन और करीना कपूर स्टारर फ़िल्म की स्टोरी, छोटे पर्दे पर दर्शकों के सामने सीरियल के रूप में पेश करना चाहती हैं। इतना ही नहीं, इसके लिए उनके और सोनी चैनल के बीच बातचीत भी चल रही है। बताया जा रहा है कि एकता के इस नये टीवी शो के लिए स्टार कास्ट फ़ाइनल नहीं की गई है। वहीं अब ये देखना मज़ेदार होगा कि जिस फ़िल्म में बॉलीवुड के दिग्गज़ कलाकारों ने काम किया है, तो उसी फ़िल्म के टीवी वर्ज़न के लिए एकता की लिस्ट में कौन-कौन होगा। हालांकि, अब तक शो के लीड रोल के लिए कोई नाम सामने नहीं आया है। मीडिया रिपोर्टर्स के अनुसार, एकता इस वक़्त कई प्रोजेक्ट में व्यस्त चल रही हैं। इसके अलावा टेलीविज़न के दर्शकों को उनके फ़ेवरेट सीरियल, 'कसौटी ज़िंदगी की 2' और 'नागिन सीज़न 3' का बेसब्री से इंतज़ार है। वहीं अगर बात करें करन जौहर की फ़िल्म 'कभी ख़ुशी कभी ग़म' की, तो उसे लोगों की ख़ूब वाहवाही मिली थी। इसके अलावा इंतज़ार इस बात का भी है कि क्या 'कभी ख़ुशी कभी ग़म' का टीवी वर्ज़न फ़िल्म की तरह, छोटे पर्दे पर बड़ा कमाल कर पाएगा, क्योंकि किसी फ़िल्म का टीवी वर्ज़न बना कर दर्शकों को बांध कर रखना आसान काम नहीं होता।

अभिनेता को ब्रेक लेना बहुत महंगा पड़ता थाः अक्षय खन्ना

नई दिल्ली। अभिनेता अक्षय खन्ना ने कहा है कि फिल्म उद्योग से चार साल तक ब्रेक लेने के फैसले के बाद फिल्मों में वापसी करना उनके लिए मुश्किल था। अभिनेता (42) पिछले साल बड़े पर्दे पर एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'ढिशूम' के साथ वापस लौटे थे। खन्ना का मानना है कि अगर फिल्म इंडस्ट्री को किसी अभिनेता के काम न करने की हल्की सी भनक भी लग जाती है तो वह सूची से उसका नाम हटा देते हैं। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा विश्वास है कि अगर अभिनेता काम नहीं कर रहा है या ब्रेक लिया है तो इसका मतलब यह है कि उसने इंडस्ट्री छोड़ दी है। कोई यह जानने की कोशिश नहीं करता है कि अभिनेताा अभिनेत्री ने इंडस्ट्री छोड़ दी या यह सिर्फ ब्रेक है। अगर उनके मन में यह बात चली गई कि आप काम नहीं कर रहे हैं तो आपको सूची से बाहर निकाल दिया जाता है।' खन्ना 'मॉम' में दिखने वाले हैं। इस फिल्म में श्रीदेवी मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता ने कहा कि वह और अधिक काम करना चाहते हैं लेकिन ऐसा करने में उन्हें कुछ समय लगेगा। 'मॉम' सात जुलाई को रिलीज हो रही है।

इस दिन होगा फिल्मफेयर अवॉर्ड शो, सलमान खान करेंगे होस्ट, जानें कब होगा टेलीकास्ट

मुम्बई। 68वां फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2023ः यह साल का वह समय है जब मनोरंजन की सबसे बड़ी रात होने वाली है। महाराष्ट्र टूरिज्म के साथ 68वें हुंडई फिल्मफेयर अवार्ड्स 2023 में 2022 में सर्वश्रेष्ठ हिंदी सिनेमा की पेशकश करने वाले स्टार-स्टडेड उत्सव होने का वादा किया गया है। सलमान खान सह-मेजबान मनीष पॉल के साथ पहली बार फिल्मफेयर पुरस्कारों की मेजबानी करेंगे। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का 68वां संस्करण आने वाला है। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2023 की तिथि और स्थान अब कुछ अन्य विवरणों के साथ पुष्टि की गई है। जैसा कि प्रशंसक पुरस्कार समारोह का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, यहां हम उपलब्ध सभी विवरण साझा करने जा रहे हैं।

फिल्मफेयर अवार्ड्स का 68वां संस्करण 27 अप्रैल को आयोजित होने वाला है। फिल्मफेयर अवार्ड्स 2023, जो कि महाराष्ट्र पर्यटन के सहयोग से आयोजित किया जाएगा, मुंबई में जियो वर्ल्ड कन्वेंशनल सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

फिल्मफेयर अवार्ड्स 2023 होस्टः बॉलीवुड अभिनेता सलमान

खान सह-मेजबान मनीष पॉल के साथ 68वें फिल्मफेयर पुरस्कारों की मेजबानी करेंगे। इस हफ्ते की शुरुआत में 68वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी और इसमें सलमान खान भी मौजूद थे। इसके अलावा, अन्य पैनलिस्टों में जितेश पिल्लई (संपादक, फिल्मफेयर), दीपक लांबा (सीईओ, वर्ल्डवाइड मीडिया) और श्री तरुण गर्ग (सीओओ, हुंडई मोटर इंडिया) शामिल थे।

सलमान के साथ संगीता फिर बनेगी जोड़ी!

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से सलमान खान की जितनी भी फिल्में हिट, सुपर हिट रही हैं ये सभी तेलुगू फिल्मों की रीमेक रही हैं। वर्ष 2009 में आई प्रभु देवा की निर्देशित पहली हिन्दी फिल्म वांटेड तेलुगू फिल्म पोक्करी, रेडी, बॉडीगार्ड और किक इन्हीं नाम वाली फिल्मों का रीमेक रही हैं। मूल तेलुगू फिल्म किक, रवि तेजा, के रीमेक अधिकार साजिद नाडियाडवाला ने खरीदे थे। अब नई खबर यह है कि इस निर्माता ने हाल ही में इस वर्ष की सुपर हिट फिल्म तेलुगू फिल्म क्षण के रीमेक अधिकार खरीद लिए हैं। साजिद की पिछली हिट में सलमान खान थे, इसीलिए उनका इस फिल्म में होना भी तय माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि सलमान खान भी इस फिल्म को करने को तैयार हो जाएंगे, जिसे साजिद ही निर्मित करेंगे। इस फिल्म

की कहानी एक महिला पर केन्द्रित है जो अपने पूर्व प्रेमी से अपनी बेटी को अपहरणकर्ताओं से बचाने का आग्रह करती है। दक्षिण में इस फिल्म आय के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।पूर्व प्रेमी किस तरह से अपनी प्रेमिका की मदद करता है यही इसकी कहानी है। वैसे ही भी इन दिनों सलमान खान की पूर्व प्रेमिका संगीता बिजलानी बॉलीवुड में वापसी करने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे हालात में यदि सलमान खान इस फिल्म में काम करने को राजी होते हैं तो साजिद नाडियाडवाला को उनकी नायिका के तौर पर संगीता बिजलानी को कास्ट करना चाहिए।यह फिल्म उनकी वापसी का सशक्त माध्यम बनेगी। नहीं? यह देखना वास्तव में दिलचस्प होगा कि वास्तविक जिन्दगी के दो सेलेब्स फिल्म के दो किरदारों में किस तरह नजर आते हैं।

राशिफल

मेष-:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में कामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

महाभारत की सबसे अहम घटना थी द्रौपदी का चीर हरण

नई दिल्ली। बीआर चोपड़ा की महाभारत टीवी के सबसे सफल धारावाहिकों में से एक है। इसे दूरदर्शन पर एक बार फिर टेलीकास्ट किया जा रहा है। दूरदर्शन पर दोबारा टेलीकास्ट हो रहे रामायण और महाभारत के कारण दूरदर्शन की टीआरपी इस समय सातवें आसमान पर है। महाभारत में इस समय द्रौपदी के चीरहरण का एपिसोड दिखाया गया है। महाभारत जिन्होंने पढ़ी है या देखीं है वो जानते हैं कि अगर महाभारत में द्रौपदी के चीरहरण वाली घटना न हुई होती तो शायद महाभारत न होती। महाभारत की ये सबसे अहम घटना थी। महाभारत नें द्रौपदी का किरदार रूपा गांगुली ने निभाया था। शो के सभी कलाकारों के साथ-साथ रूपा गांगुली ने भी अपने किरदार में खुद को इस तरह ढाल दिया था जिससे लोग उन्हें उनके असल नाम से नहीं बल्कि द्रौपदी के नाम से पहचानते थे। महाभारत में जब चीरहरण को सीकेंव्स शूट

किया जाना था तो बीआर चोपड़ा ने रूपा गांगुली को बुलाया और कहा पूरी महाभारत होने का कारण द्रौपदी का चीरहरण ही था। इस सीन को काफी प्रभावशाली बनना है। रूपा गांगुली आप सोचिए आपके पति जुए में आपको हार गये है और कुछ लोग आपको भरी सभा में बाल खींच कर लेकर आते और सारे कपड़े उतारने की कोशिश करते है आप पर क्या बीते गी? इस सीन को अपने अभिनय से आपको सच बनाना है। महाभारत का ये सबसे प्रभावशाली सीन एक टेक में किया गया था। सीन देने के बार रूपा गांगुली इतनी ज्यादा भावुक हो गई थी कि सेट पर वह फूट-फूट कर रोने लगी। बीआर चोपड़ा सहित पूरी टीम रूपा गांगुली को चुप करवाने में लग गई। रूपा बड़ी मुश्किल से आधे घंटे बाद चुप हु थी तो इस शिद्दत और सच्चाई के साथ किरदार निभाते थे कलाकार।

बीआर चोपड़ा की महाभारत में टीवी की अब तक की सबसे सफल महाभारत है। इस शो के अभिनेताओं ने अपने किरदार को समझा और उसे कैमरे पर जिंदा किया। शो की कामयाबी का क्रेडिट डायरेक्शन के साथ-साथ शो के किरदारों को जाता है। महाभारत के इस एक्टरों को लोगों उनके किरदार की वजह से ही जानने लगे थे। कई बार जब ये लोग बाहर निकलते थे निगेटिव किरदार वालों को लोगों की नफरत का भी सामना करना पड़ा था। असल में इस टीम के अलावा इन किरदारों को कोई इतनी शिद्दत से नहीं निभा पाया।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।